@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया
कोविड-19 टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

वर्ष-16, अंक-03 01-15 फरवरी, 2021 (पाक्षिक) ₹20

‘गांव, गरीब और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है भाजपा’

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में अवध-कानपुर क्षेत्र के पदाधिकारियों की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत करते उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह

गुवाहाटी (असम) में भाजपा पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

चेन्नई (तमिलनाडु) में संपन्न रोड शो में भाग लेते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

बेलगावी (कर्नाटक) में पूर्व जिला महामंत्री स्व. राजू चिकनगोडर के घर पंहुचकर उन्हें श्रद्धांजलि देते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय रेल राज्य मंत्री स्व. सुरेश अंगड़ी के घर पंहुचकर उन्हें श्रद्धांजलि देते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **'हमारा बूथ, सबसे मजबूत' का लक्ष्य लेकर हमें हर बूथ पर कमल खिलाना है: जगत प्रकाश नड्डा**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 जनवरी 2021 को सी.एम.एस. विस्तार, लखनऊ में लखनऊ महानगर एवं जिला के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित किया और उन्हें पार्टी का असली योद्धा बताया...

09 **कोरोना से मुकाबले की भारत की तैयारी देश के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रतीक: नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी को...

14 **प्रधानमंत्री जी के विकास के विजन को भाजपा की सर्बानंद सोनोवाल सरकार ने जमीन पर उतारा: जगत प्रकाश नड्डा**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष...

22 **भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में प्रथम वर्ष का सेवाकाल पूर्ण**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष...

24 **प्रधानमंत्री मोदीजी ने देश को 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र देते हुए आगे बढ़ने की राह दिखाई है: अमित शाह**
केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के...

वैचारिकी
अपनी विचारधारा सहयोग पर आधारित / **दीनदयाल उपाध्याय** 19

श्रद्धांजलि
पुडुचेरी के भाजपा विधायक के.जी. शंकर का निधन 21

साक्षात्कार
प्रधानमंत्री मोदीजी के प्रभावी नेतृत्व में भारत कोरोना पर विजय की ओर
डॉ. हर्षवर्धन 30

लेख
विश्व गौरव की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाला व्यक्तित्व था नेताजी का / **शिव प्रकाश** 32

अन्य
'तमिलनाडु हमारे राष्ट्र के लिए सदियों से प्रेरक रहा है' 12
नरेन्द्र मोदी भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री: इंडिया टुडे 13
83 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) 'तेजस' खरीदने की मिली मंजूरी 16
सिर्फ एक सप्ताह में 534 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का रिकॉर्ड निर्माण हुआ 17
रतले पनबिजली परियोजना के लिए 5281.94 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को मिली मंजूरी 18
चीन पर झूठ बोलना कब बंद करेगी कांग्रेस: जगत प्रकाश नड्डा 28
प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत राज्य के 6 लाख परिवारों को मिली 2600 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि 29

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक डायरेक्ट रेल कनेक्टिविटी तैयार करने के लिए भारतीय रेल ने जिस बुलंद हौसले का परिचय दिया है, वह प्रशंसनीय है। भारी वर्षा और कोरोना जैसी महामारी भी विकास की इस तेज रफ्तार के आड़े नहीं आ पाई।

जगत प्रकाश नड्डा

अन्य राजनीतिक पार्टियां आज तक लॉकडाउन में हैं, ये प्रेस कॉन्फ्रेंस के अलावा अन्य कोई काम नहीं करते। इसलिए समाज का काम है कि जो काम करते हैं उनको शाबाशी दें और काम न करने वालों को आइसोलेशन और क्वारंटीन में रखें।

अमित शाह

कोरोना टीके पर जो राजनीति कर रहे हैं, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति करने के लिए कई दूसरे मंच हैं। लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी जो चीजें हैं, हमारे वैज्ञानिकों ने मेहनत कर जो टीका बनाया है, उस पर क्यों राजनीति कर रहे हो? आप हमारे वैज्ञानिकों की क्षमता का अपमान कर रहे हो।

राजनाथ सिंह

स्वदेशी वैक्सीन केवल भारतवासियों को ही नहीं लगाई जाएगी बल्कि दुनिया के दूसरे देशों को भी हम निर्यात करने वाले हैं क्योंकि भारत एक ऐसा देश है जिसने केवल अपनी चिंता नहीं की है बल्कि सारे विश्व की चिंता की है।

थावरचंद गहलोत

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र सरकार अंत्योदय की भावना के साथ कार्य कर रही है, ताकि प्रत्येक शोषित और पिछड़े वर्ग को शैक्षिक स्तर पर सशक्त किया जा सके।

नितिन गडकरी

'पंडित दीनदयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल योजना' के तहत बनाए जा रहे सस्ते और इको फ्रेंडली उत्पाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
बसंत पंचमी (16 फरवरी)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

देश 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र के साथ आगे बढ़ चला है

आज जब कोविड-19 महामारी के विरुद्ध अपनी लड़ाई तेज करते हुए भारत ने विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया है, देश में घटते हुए कोविड-19 संक्रमण से जन-जन का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया है। एक ओर जहां विश्व के सर्वाधिक विकसित देशों को भी इस दौरान गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने पूरी तत्परता से संक्रमण को नियंत्रित किया, जिस कारण हर मानदंड पर इसका प्रभाव न्यूनतम रहा है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो 'मेड इन इंडिया' टीके के साथ विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत की है, तब इससे न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में आशा की किरण जगी है और अनेक देश भारत की ओर आशा एवं विश्वास से देख रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक मंचों पर निरंतर भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के मंत्र का उद्घोष किया है तथा भारत के प्राचीन आदर्श 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः' पर अपना अटूट विश्वास दिखाया है तथा इन सिद्धांतों के आधार पर भारत अनेक देशों की सहायता के लिए पूरे महामारी के दौर में तत्पर रहा है।

पिछला वर्ष पूरे विश्व के लिए संकटों से भरा रहा तथा कोविड-19 महामारी ने भारत के समक्ष भी अनेक चुनौतियां प्रस्तुत की। एक ओर जहां पूरा देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर चुनौती का सामना करते हुए पूरी दृढ़ता से खड़ा रहा, वहीं दूसरी ओर एक राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने पूरे विश्व में सेवा एवं समर्पण का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। इस चुनौतीपूर्ण काल में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष भाजपा संगठन को सेवा के पथ पर समर्पित करते हुए पूर्ण किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के दिशा-निर्देश में करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'सेवा ही संगठन' के मंत्र पर स्वयं को समर्पित करते हुए देश के करोड़ों लोगों को इन मुश्किल हालात में भी उनका संबल बनकर राहत पहुंचाई। चाहे राशन किट वितरित करने की बात हो, मास्क एवं सैनिटाइजर उपलब्ध कराने की बात हो, कोरोना संक्रमितों अथवा वृद्धों की सेवा की बात हो या कोरोना योद्धाओं के मनोबल बढ़ाने की बात हो, भाजपा कार्यकर्ता जरूरतमंदों एवं संक्रमितों की सेवा में निरंतर समर्पित रहे तथा पूरे देश में व्यापक स्तर पर सेवा कार्य किया। यह करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं का समर्पित सेवा कार्य ही था कि पूरे देश में इस दौरान हुए विभिन्न चुनावों में जनता ने भाजपा को अपना भरपूर आशीर्वाद दिया। अपने एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित अपने पत्र में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने करोड़ों कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ समर्पण की प्रशंसा करते हुए पार्टी के उच्च आदर्शों एवं लक्ष्यों के प्रति निरंतर समर्पित रहने का आह्वान किया है।

एक ओर जहां पूरा देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर चुनौती का सामना करते हुए पूरी दृढ़ता से खड़ा रहा, वहीं दूसरी ओर एक राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने पूरे विश्व में सेवा एवं समर्पण का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया

एक ओर जहां वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं एवं विशेषज्ञों ने इतने सीमित समय में 'मेड इन इंडिया' टीके बनाकर पूरे देश को गौरवान्वित किया है, वहीं दूसरी ओर यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुट्ठी भर लोग देश की इस महान उपलब्धि को पचा नहीं पा रहे हैं। ये वही लोग हैं जो एक समय इस पर संदेह करते थे कि देश मास्क एवं सैनिटाइजर बना पाएगा या नहीं, परंतु आज भारत ने पर्याप्त संख्या में मास्क, सैनिटाइजर, पीपीई किट, चिकित्सकीय उपकरण, दवाइयों का न केवल निर्माण किया बल्कि उनका निर्यात भी कर रहा है और स्वास्थ्य केंद्रों को 'मेड इन इंडिया' वेंटिलेटर तक उपलब्ध कराया जा रहा है। अब इन सबों की बोलती बंद है। इन लोगों ने तो कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत कोविड-19 टीका का भी निर्माण कर सकता है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ही थे जिन्होंने टीके निर्माण की प्रगति की निरंतर समीक्षा कर देश की प्रतिभा पर अपना पूर्ण विश्वास दिखाते हुए उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया, जिसका परिणाम है कि आज भारत इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त करने में सफल रहा। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस नेतृत्व ने पूरी महामारी के दौर में देश के आत्मविश्वास को क्षीण करने का प्रयास किया तथा पूरे देश में आशंका एवं निराशा का वातावरण बनाना चाहा। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने तीक्ष्ण प्रश्नों से राहुल गांधी की पूरे देश के सामने पोल खोल कर रख दी है। सच्चाई यह है कि राहुल गांधी एवं कांग्रेस के पास इन प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं है। इनका झूठ बेनकाब हो चुका है तथा इनके वंशवाद एवं फरेब की राजनीति को जनता धूल चटा चुकी है। देश 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र के साथ आगे बढ़ चला है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

'हमारा बूथ, सबसे मजबूत' का लक्ष्य लेकर हमें हर बूथ पर कमल खिलाना है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 एवं 22 जनवरी 2021 को उत्तर प्रदेश का प्रवास किया, जहां उन्होंने सोशल मीडिया वालंटियर्स, प्रबुद्ध वर्ग एवं बूथ सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित किया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 जनवरी 2021 को सी.एम.एस. विस्तार, लखनऊ में लखनऊ महानगर एवं जिला के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित किया और उन्हें पार्टी का असली योद्धा बताया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह एवं श्री दुष्यंत गौतम, प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, उप-मुख्यमंत्री श्री दिनेश शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री सुनील बंसल एवं प्रदेश महामंत्री श्री अमरपाल मौर्य सहित कई पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं लखनऊ महानगर एवं लखनऊ जिला के सभी बूथों से आये बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साह एवं लगन उत्तर प्रदेश के भविष्य की कहानी के बारे में स्पष्ट संकेत देता है। उन्होंने कहा कि देश में मौजूद 1,500 से अधिक छोटे-बड़े राजनीतिक दलों में से केवल भारतीय जनता पार्टी ही ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है। यह भाजपा है, जहां अत्यंत गरीब परिवार में जन्म लेने वाले श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं और योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री। यह भाजपा है जहां साधारण परिवार से आने वाले व्यक्ति देश के गृह मंत्री और रक्षा मंत्री बनते हैं। भाजपा को छोड़कर देश में लगभग सभी पार्टियां परिवारवाद और वंशवाद से ग्रस्त हैं। भले ही आप भाजपा में बाय चांस, बाय चॉइस या बाय एक्सीडेंट आये हैं लेकिन यदि आप भाजपा में आये हैं तो सही जगह आये हैं।

• पंडित दीनदयालजी ने संपूर्णता में सोचने का काम किया। उनका कहना था कि जहां शरीर, मन, आत्मा, बुद्धि आत्मसात होकर आगे बढ़ते हैं, वहीं संपूर्णता में सुख की अनुभूति होती है

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा के गठन के समय कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां हमारा मजाक उड़ाती थी क्योंकि उस समय देश क्या, विधान सभा और जिला परिषद् में भी भाजपा के आने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं बनती थी, फिर भी हम विचारधारा के लिए लगातार लड़ते रहे क्योंकि हमारा मानना था कि विचारधारा से ही देश में परिवर्तन लाया जा सकता है। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां उस वक्त रिवॉल्यूशन की बात करती थी जबकि मैं इवॉल्यूशन की बात करता था क्योंकि हमारे संगठन एवं हमारे कार्यकर्ताओं की ताकत अमूल्य है।

उन्होंने कहा कि हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और पंडित

दीनदयाल उपाध्याय जी के दिखाए रास्ते पर परिवर्तन का संकल्प लेकर निकले लोग हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद, अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सिद्धांत को श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने आगे बढ़ाया है। पंडित दीनदयालजी ने संपूर्णता में सोचने का काम किया। उनका कहना था कि जहां शरीर, मन, आत्मा, बुद्धि आत्मसात होकर आगे बढ़ते हैं, वहीं संपूर्णता में सुख की अनुभूति होती है। इसी अंत्योदय के सिद्धांत से 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की नीति बनी और इन्हीं नीतियों को आधार बनाते हुए जन-धन योजना, जीवन रक्षा बीमा, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान एवं प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि जैसी गरीब कल्याण की योजनायें बनीं। उत्तर प्रदेश में भी एक करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन वितरित किये गये, एक करोड़ 40 लाख से अधिक टॉयलेट्स बने और उत्तर प्रदेश ओडीएफ स्टेट बना।

संगठन को आगे बढ़ने की राह दिखाते हुए श्री नड्डा ने कहा कि मेरा आप सबसे निवेदन है कि मंडल पदाधिकारी हर महीने कम से कम एक दिन हर बूथ पर अवश्य जाएं और वहां के कार्यों की समीक्षा कर बूथ समिति के साथ जुड़ें। हर महीने के अंतिम रविवार को हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' करते हैं। बूथ में 21 लोगों की कमिटी होती है। ये कमिटी स्थानीय ग्रामीण लोगों के साथ मिल कर इस जनोपयोगी कार्यक्रम को साथ में अवश्य सुनें। बूथ कमिटी गांव के वरिष्ठ एवं युवा लोगों को भाजपा से अधिक से अधिक संख्या में जोड़ें। हमें बूथ स्तर तक सामाजिक समरसता के भाव से काम करना है। मैं पन्ना प्रमुखों से निवेदन करता हूं कि उन्हें अपने पेज के तीस लोगों के साथ उनके हर सुख-दुःख में शामिल होना चाहिए। हर 15 दिन में पन्ना प्रमुख अपने तीस लोगों से कम से कम एक बार अवश्य मिलें। हमें हर घर तक पहुंचने के संकल्प के साथ काम करना है।

- **बूथ कमिटी गांव के वरिष्ठ एवं युवा लोगों को भाजपा से अधिक से अधिक संख्या में जोड़ें। हमें बूथ स्तर तक सामाजिक समरसता के भाव से काम करना है**

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने धारा 370 को धाराशायी होते हुए देखा है। श्री मोदी के नेतृत्व में ही सैकड़ों वर्षों से लंबित श्रीराम जन्मभूमि विवाद का समाधान हुआ और उन्हीं के कर-कमलों द्वारा भव्य श्रीराम मंदिर का शिलान्यास भी हुआ जिसमें योगी आदित्यनाथ जी भी उपस्थिति थे। यह हमारे लिए गर्व की बात है। ट्रिपल तलाक क़ानून को ख़त्म कर हमने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार देश के गांव, गरीब एवं किसान के कल्याण के प्रति समर्पित है और उसी भाव एवं समर्पण के साथ उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार भी निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में लद्दाख और श्रीनगर से लेकर मणिपुर, बिहार, तेलंगाना, गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार तक भाजपा का परचम लहराया है। मेरा सभी बूथ अध्यक्षों से निवेदन है कि आप संयम, तर्क और सौम्यता के साथ-साथ मुद्दों को लेकर जन-जन के बीच जाएं और उन्हें पार्टी के साथ जोड़ें। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी जिन-जिन का नाम लेकर उन्हें सम्मानित करते हैं, भाजपा के बूथ अध्यक्ष उन-उन प्रतिष्ठित लोगों के साथ जुड़ें एवं उनका सम्मान करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके पास नेता भी है, नीति भी, नीयत भी, कार्यकर्ता भी और कार्यक्रम भी। जब हमारे पास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसे युगद्रष्टा व्यक्तित्व हों और योगी आदित्यनाथ जी जैसे मुख्यमंत्री हों तो हमारे रुकने का कोई कारण नहीं है। 'हमारा बूथ, सबसे मजबूत' का लक्ष्य लेकर हमें हर बूथ को सुदृढ़ करना है और हर बूथ पर कमल खिलाना है।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन

उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति में काफी सकारात्मक बदलाव आया है

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 जनवरी को को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह एवं श्री दुष्यंत गौतम, प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, उप-मुख्यमंत्री श्री दिनेश शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री सुनील बंसल एवं प्रदेश महामंत्री श्री गोविंद शुक्ला सहित कई सैकड़ों की संख्या में बुद्धिजीवीगण उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि अभी कल ही एक प्रतिष्ठित न्यूज चैनल का सर्वे 'मूड ऑफ द नेशन' आया जिसमें हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज तक के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। दूसरे स्थान पर हमारे ही भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम आया है। सर्वे में कहीं नीचे इंदिरा गांधी जी और सबसे अंत में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का नाम आया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि पंडित नेहरू ने 17 साल तक शासन किया, इंदिरा गांधी जी 14 वर्ष तक भारत की प्रधानमंत्री रहीं लेकिन श्रद्धेय अटल जी को टुकड़ों में 6 वर्ष का वक्त मिला और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कालखंड के तो अभी साढ़े छः वर्ष ही अभी पूरे हुए हैं। इसी सर्वे में देश के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ जी चुने गए हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना से अमेरिका, इटली, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे शक्तिशाली देश और पूरा यूरोप भी जहां अपने आप को असहाय

महसूस कर रहे थे लेकिन हमारे पास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसे कर्मयोद्धा नेता हैं जिन्होंने दुनिया को रास्ता दिखाया कि कोरोना को परास्त कैसे किया जा सकता है। श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी के बाद देश ने हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को चुना और उनके एक आह्वान पर 130 करोड़ भारतीयों ने साथ मिल कर कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का बिगुल फूंका। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तो बात ही निराली थी। पहले तो लॉकडाउन पर सवाल उठाया कि लॉकडाउन क्यों लगाया? फिर जब लॉकडाउन चरणबद्ध तरीके से हटने लगा तो कहने लगे कि हटाया क्यों? मोदी सरकार ने 1.70 लाख करोड़ रुपये की निधि से गरीब कल्याण योजना का सूत्रपात किया। लगभग 20 करोड़ माताओं-बहनों को तीन किस्तों में 1,500 रुपये की सहायता सीधे बैंक एकाउंट में पहुंचाई गई। मार्च से लेकर नवंबर 2020 तक देश के लगभग 80 करोड़ गरीब लोगों के लिए मुफ्त में आवश्यक राशन की व्यवस्था की गई। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत किसानों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की निधि आवंटित की गई। वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत माननीय प्रधानमंत्री जी ने घरेलू उत्पादों के वर्ल्ड ब्रांडिंग की बात की। उत्तर प्रदेश 'एक जिला, एक उत्पाद' की नीति पर चलते हुए इस दिशा में काफी अच्छे तरीके से काम कर रहा है। यह उत्तर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर, दोनों को बदलने में सहायक होगा। आदरणीय योगी जी ने भी गरीबों की हर तरह से मदद की।

• भाजपा की योगी सरकार ने प्रदेश में निवेश के लिए लगभग साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का एमओयू अब तक साइन किया है जिससे लगभग 33 लाख रोजगार सृजित होंगे

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार ने प्रदेश में निवेश के लिए लगभग साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का एमओयू अब तक साइन किया है जिससे लगभग 33 लाख रोजगार सृजित होंगे। कई योजनाओं में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश हो भी चुका है। एमएसएमई के लगभग 8 लाख लोगों को भी इससे लाभ पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत देशभर में जहां 11 करोड़ टॉयलेट्स बने, वहीं उत्तर प्रदेश में लगभग 2 करोड़ टॉयलेट्स का निर्माण हुआ। यह केवल इज्जत घर नहीं बल्कि मातृशक्ति के सशक्तिकरण के माध्यम हैं। कांग्रेस ने जन-धन योजना का भी मजाक उड़ाया था लेकिन इंदिरा गांधी जी ने 1971-72 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण करते हुए यह कहा था कि इससे गरीबों के लिए बैंक के दरवाजे खुलेंगे लेकिन 2014 तक देशभर में केवल पौने तीन करोड़ बैंक अकाउंट ही खुले थे। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में 50 करोड़ खाताधारक हैं जिसमें से लगभग 41 करोड़ जनधन खाते हैं। इन 41 करोड़ जनधन खातों में से 7 करोड़ अकाउंट अकेले उत्तर प्रदेश में खुले हैं। इसी तरह उज्ज्वला योजना में भी जहां देश के 8 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन मिले वहीं उत्तर प्रदेश में 1.47 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए। प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 1.28 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक देश के लगभग 9 करोड किसानों के अकाउंट में 1.13 लाख करोड़ की राशि पहुंचाई जा चुकी है।

श्री नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने केंद्र की योजनाओं को समर्पण भाव से जमीन पर उतारने का सफल प्रयास किया है। उत्तर प्रदेश में जहां एक ओर ईस्टर्न डेडीकेटेड कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है, वहीं 7,725 करोड़ रुपए की लागत से नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है, इससे 2.8 लाख रोजगार सृजित होंगे। 8000 करोड़ रुपए की लागत से आगरा मेट्रो का निर्माण हुआ है। वाराणसी प्रयागराज रेलखंड का विकास हुआ है और विंध्याचल में 5,555 करोड़ रुपए की लागत से ड्रिंकिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास हुआ है। एक तरह से उत्तर प्रदेश में योजनाओं की झड़ी लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के शासन में विकास की कहानी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन आया है। इससे पहले जब सपा-बसपा की सरकार आती थी तो इन दोनों के शासन में गुंडागर्दी चरम पर हुआ करती थी। आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति में काफी सकारात्मक बदलाव आया है। अब तो नेताओं को भी समझ में आ गया है कि लॉ एंड ऑर्डर होता क्या है। भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की तरह योगी आदित्यनाथ जी ने भी उत्तर प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रखी है। उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में भी लगातार आगे बढ़ रहा है। कहीं दीपोत्सव मनाया जा रहा है तो कहीं कुंभ का सफलतापूर्वक आयोजन हो रहा है और इन सभी कार्यक्रमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी मिल रहा है। ■

कोरोना से मुकाबले की भारत की तैयारी देश के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रतीकः नरेन्द्र मोदी

आमतौर पर टीकों के विकास में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन देश में बहुत कम समय में एक नहीं दो-दो भारत निर्मित टीके विकसित किए गए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी को सम्पूर्ण भारत में कोविड-19 टीकाकरण अभियान की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शुरुआत की। यह दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है जिसे सम्पूर्ण भारत में एक साथ लागू किया जा रहा है। टीकाकरण अभियान के शुभारंभ से जुड़े इस आयोजन से देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वह सभी 3006 स्थान भी जुड़े जहां-जहां टीकाकरण होगा।

प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन का आरंभ टीका विकसित करने के अभियान से जुड़े वैज्ञानिकों की प्रशंसा के साथ किया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर टीकों के विकास में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन यहां इतने कम समय में एक नहीं दो-दो भारत निर्मित टीके विकसित किए गए, जिनका आज शुभारंभ हो रहा है।

श्री मोदी ने लोगों को आगाह किया कि टीके की दोनों खुराक लेने के प्रति लापरवाही बिलकुल न करें। उन्होंने कहा कि दोनों टीकों के बीच 1 महीने का अंतर रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को कोरोना से बचाव के उपायों के प्रति ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए, क्योंकि कोरोना के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता, टीका लगाए जाने के दो सप्ताह बाद विकसित होती है।

श्री मोदी ने टीकाकरण अभियान की व्यापकता का उल्लेख करते हुए लोगों से कहा कि पहले चरण में ही तीन करोड़ लोगों का टीकाकरण किया जाना है, जो दुनिया के लगभग 100 देशों की जनसंख्या से भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि दूसरे चरण में इस दायरे को बढ़ाकर 30 करोड़ किया जाए, ताकि दूसरे चरण में ही वरिष्ठ

नागरिकों और ऐसे लोगों को शामिल किया जा सके जो किसी अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। दुनिया में मात्र 3 देश ऐसे हैं जिनकी जनसंख्या 30 करोड़ से अधिक है, इसमें भारत, अमेरिका और चीन शामिल हैं।

श्री मोदी ने लोगों से आग्रह किया कि भारत में विकसित और निर्मित इन टीकों के खिलाफ किसी भी तरह की अफवाह की मुहिम को महत्व न दें, क्योंकि भारतीय टीका वैज्ञानिकों, भारत के चिकित्सा तंत्र और भारत की प्रक्रियाओं तथा संस्थागत तंत्र को वैश्विक स्तर पर विश्वास प्राप्त है जो निरंतर बेहतर रिकॉर्ड के आधार पर अर्जित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कोरोना के खिलाफ एकजुट होकर बहादुरी से संघर्ष किए जाने के लिए देश को बधाई दी। उन्होंने कोरोना के प्रति भारत की प्रतिक्रिया को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रतीक कहा। उन्होंने

पड़ोसी देशों के राजनेताओं ने टीकाकरण अभियान के सफल शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री और भारत सरकार को दी बधाई

पड़ोसी देशों के राजनेताओं ने कोविड-19 के खिलाफ 16 जनवरी, 2021 को टीकाकरण अभियान के सफल शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार को शुभकामनाएं दी। श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री गोटाबाया राजपक्षे ने एक ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को कोविड-19 वैक्सीन की सफल शुरुआत तथा मित्र पड़ोसी देशों के प्रति उनकी उदारता के लिए मेरी हार्दिक बधाई।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री श्री महिंदा राजपक्षे ने एक ट्वीट में कहा कि इस विशाल कोविड-19 टीकाकरण अभियान के रूप में बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार को बधाई। हम इस विनाशकारी महामारी के अंत की शुरुआत देख रहे हैं।

मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति श्री इब्राहिम मोहम्मद सोलीह ने एक ट्वीट में कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत के लोगों का टीकाकरण करने के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार को बधाई। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस प्रयास में सफल होंगे और अंततः हम कोविड-19 संकट का अंत देख रहे हैं।

एक ट्वीट में भूटान के प्रधानमंत्री डॉ. लोटे शेरिंग ने कहा कि मैं देशव्यापी कोविड-19 टीकाकरण के आज ऐतिहासिक लॉन्च के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों को बधाई देता हूं। हमें उम्मीद है कि यह उन सभी कष्टों को दूर करने के लिए आया है, जो इस महामारी के कारण हमने सहन किया है।

प्रत्येक भारतीय का आत्मविश्वास बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। श्री मोदी ने डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस ड्राइवर, आशा कार्यकर्ता, स्वच्छता कर्मचारी और पुलिस तथा अन्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं पर विस्तार से बात की, जिन्होंने दूसरों का जीवन बचाने के लिए अपने जीवन को जोखिम में डाला।

श्री मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ी जा रही इस लड़ाई में कई अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता ऐसे थे जो अपने घरों को नहीं लौट सके और उन्होंने अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उन्होंने कहा कि अग्रिम पंक्ति के इन्हीं कार्यकर्ताओं ने उस भय के वातावरण में भी लोगों में विश्वास भरा। आज सबसे पहले अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को टीका देकर देश उनके योगदान के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहा है।

संकट के शुरुआती दिनों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अपेक्षित सजगता का प्रमाण दिया और सही समय पर सही फैसले किए गए। भारत में कोरोना का पहला मामला सामने आने से पहले जो कि 30 जनवरी, 2020 को सामने आया था, एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर दिया था। भारत ने आज से ठीक 1 वर्ष पहले निगरानी शुरू कर दी थी। 17 जनवरी, 2020 को भारत में पहली एडवाइजरी जारी की गई थी और भारत पहला ऐसा राष्ट्र बना था जिसने हवाई अड्डों पर यात्रियों की जांच शुरू कर दी थी।

श्री मोदी ने जनता कर्फ्यू को संपूर्ण भारत में पूरे अनुशासन और धैर्य के साथ सम्मान देने और उसका पालन करने के लिए देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने रेखांकित किया कि यह अभ्यास देश को लॉकडाउन के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार होने में मददगार रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ताली, थाली और दिया जलाने वाले अभियानों ने देश का हौसला बढ़ाया।

श्री मोदी ने विश्व के विभिन्न देशों में फंसे भारतीयों को वहां से निकालने के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया के विभिन्न देशों ने चीन में फंसे अपने नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया था, तब भारत ने न केवल भारतीय नागरिकों को चीन से निकाला बल्कि अन्य देशों के नागरिकों को भी उनके घर पहुंचाया। उन्होंने याद किया कि जब एक देश में वहां से निकाले जा रहे भारतीयों की जांच करने में कठिनाई आ रही थी, तब भारत ने एक पूरी की पूरी प्रयोगशाला जांच के लिए उस देश में भेज दी थी।

श्री मोदी ने कहा कि कोरोना से मुकाबले में भारत ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दिखाई उसकी अभिस्वीकृति पूरी दुनिया से प्राप्त हुई। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के आखिर में कहा यह तभी संभव हो पाया जब केंद्र से लेकर राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों, सरकारी अधिकारियों, सामाजिक संगठनों ने एकजुटता से एक दिशा में एक उद्देश्य के लिए प्रभावी ढंग से कार्य किया।

अपने संबोधन के बाद प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान #LargestVaccineDrive शुरू कर दिया है। आज का दिन गौरव मनाने का दिन है, वैज्ञानिकों की दक्षता और हमारे चिकित्सा समुदाय, पुलिस अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों के कठिन परिश्रम का उत्सव मनाने का दिन है। मेरी प्रार्थना है कि हर कोई स्वस्थ एवं रोगों से मुक्त रहे जैसाकि वेदों में वर्णित है:

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित्दुःखभाग्भवेत्।।

देशभर के स्वास्थ्य केंद्रों पर किया गया टीकाकरण

देश ने 'कोविशील्ड' और 'कोवैक्सीन' टीके के साथ कोविड महामारी को मात देने के लिए 16 जनवरी को पहला कदम उठाया और देशभर के स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में टीकाकरण के पहले दिन 3,352 केंद्रों पर 1,91,181 स्वास्थ्यकर्मियों और सफाईकर्मियों को टीके की पहली खुराक दी गई।

स्वास्थ्यकर्मियों के साथ-साथ एम्स दिल्ली के निदेशक सर्वश्री रणदीप गुलेरिया, नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल, भाजपा सांसद महेश शर्मा और पश्चिम बंगाल के मंत्री निर्मल माजी उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें टीके की पहली खुराक दी गई। पॉल कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए चिकित्सा उपकरण एवं प्रबंधन को लेकर गठित अधिकार समूह के प्रमुख भी हैं।

उल्लेखनीय है कि पूरे भारत में बड़े पैमाने पर टीकाकरण का रास्ता साफ करते हुए भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने इस महीने की शुरुआत में ऑक्सफोर्ड/एस्ट्रेजेनेका द्वारा विकसित और सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित 'कोविशील्ड' एवं भारत बायोटेक द्वारा विकसित 'कोवैक्सीन' टीके के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी।

कोविड-19 से बचाव के लिए टीके की खुराक सबसे पहले अनुमानित एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों को और इसके बाद दो करोड़ अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले कर्मियों को दी जाएगी। इसके बाद 50 साल से अधिक उम्र वालों एवं अन्य बीमारियों से ग्रस्त 27 करोड़ लोगों का टीकाकरण करने की योजना है।

आज एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बन रहा है हमारा भारतवर्ष: जगत प्रकाश नड्डा

दुनियाभर में 60 प्रतिशत से अधिक वैक्सीन का निर्माण और आपूर्ति करने वाला भारत अब कोरोना वैक्सीन हब के रूप में भी उभर रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 जनवरी को कहा कि आज हमारा भारतवर्ष एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बन रहा है क्योंकि आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड महामारी से निपटने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण

अभियान शुरू किया है। उन्होंने हमेशा ही आगे बढ़कर चुनौतियों से पार करने का रास्ता दिखाया है। मैं इस अभियान को जमीन पर उतारने में देश का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि मैं विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को मूर्त रूप देने के लिए अपने डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों एवं व्यवस्था में लगे सभी लोगों व अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। वे सच्चे अर्थों में विश्व के सबसे बड़े वैक्सीन ड्राइव के असली नायक हैं। वैक्सीन हमें कोविड वायरस से तो बचाएगा लेकिन मास्क का सही तरह से उपयोग कर, बार-बार हाथ धोने की आदत अपनाकर और शारीरिक दूरी बनाए रखकर हमें कोरोना के खिलाफ निर्णायक अभियान को और मजबूती देने की ओर हमें कदम बढ़ाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोरोना वैक्सीन की दो डोज लगनी बहुत जरूरी है। पहली और दूसरी डोज के बीच लगभग एक महीने का अंतराल भी रखा जाएगा। दूसरी डोज़ लगने के लगभग दो हफ्ते में शरीर में कोरोना के विरुद्ध ज़रूरी शक्ति विकसित हो पाएगी। इसलिए मेरी देशवासियों से अपील है कि टीका लगने के बाद भी आप सब लोग मास्क लगाना और दो गज की दूरी का पालन करना मत भूलिएगा।

श्री नड्डा ने कहा कि कोविड वैक्सीन कोरोना के खिलाफ लड़ाई में संजीवनी का काम करेगी। भारत ने पहले पोलियो और चेचक के खिलाफ लड़ाई जीती है और अब भारत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड-19 के खिलाफ जंग जीतने की शुरुआत हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर एक वैक्सीन बनाने में बरसों का समय लग जाता है लेकिन एक वर्ष से भी कम समय में एक नहीं, दो-दो 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन बनकर टीकाकरण के लिए तैयार हुई हैं। कोविड वैक्सीन का भारत में बनना और विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान हमारे वैज्ञानिकों की अपार क्षमता और हमारे नेतृत्व की शक्ति को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कोरोना पर अंतिम प्रहार शुरू हो चुका है। पहले चरण में एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों और दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स को टीका लगाया जाएगा।

श्री नड्डा ने कहा कि आपदा को कैसे नियंत्रण में रखा जाए, आपदा को अवसर में कैसे बदला जाए और उसमें से कैसे प्रगति की राह निकाली जाए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इसकी शानदार मिसाल हैं। मानव इतिहास के सबसे कठिन साल की परीक्षा में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं उनके प्रदर्शन को दुनिया भर ने मुक्त कंठ से सराहा है।

उन्होंने कहा कि हमारे वैज्ञानिक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ, जब दोनों 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभाव को लेकर आश्वस्त हुए, तभी इसके इमरजेंसी उपयोग की अनुमति दी गई है। इसलिए देशवासियों को किसी भी तरह के प्रोपेगेंडा, अफवाहें और दुष्प्रचार से बचकर रहना है और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में अपनी प्रभावी भूमिका निभानी है।

श्री नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार और भारतीय वैज्ञानिकों के परिश्रम का नतीजा है कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है। दुनियाभर में 60 प्रतिशत से अधिक वैक्सीन का निर्माण और आपूर्ति करने वाला भारत अब कोरोना वैक्सीन हब के रूप में भी उभर रहा है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत मानवता की रक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि कई देश सरकार के स्तर पर बातचीत कर रहे हैं, जबकि कई ने सीधे वैक्सीन निर्माताओं को ऑर्डर दिया है। भारत शुरू से ही कोविड-19 महामारी के खिलाफ़ लड़ाई में वैश्विक प्रतिक्रिया में सबसे आगे रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने खुद कहा है कि भारत दुनिया के लिए बड़ी उम्मीद बनकर उभरा है। भारत की वैक्सीन का पूरी दुनिया इंतजार कर रही है। आईएमएफ और संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर दुनिया की तमाम संस्थाओं और दुनिया की प्रमुख हस्तियों, वैज्ञानिकों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कोरोना पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की है।

'मेड इन इंडिया' वैक्सीन आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की परिचायक है: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कोरोना टीकाकरण अभियान की शुरुआत पर सभी वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए 16 जनवरी को कहा कि देश आज एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में भारत ने एक अहम पड़ाव पार किया है और विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भारत के वैज्ञानिकों की अपार क्षमता और हमारे नेतृत्व की शक्ति को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भारत उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसने मानवता के विरुद्ध आए सबसे बड़े संकट को समाप्त करने की दिशा में विजय पायी है। श्री शाह का कहना था कि इस अभूतपूर्व उपलब्धि से हर भारतीय गौरवान्वित है और यह विश्वपटल पर एक नये आत्मनिर्भर भारत का उदय है।

श्री शाह ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व वाला यह 'नया भारत' आपदाओं को अवसर में और चुनौतियों को उपलब्धियों में बदलने वाला भारत है। श्री शाह ने इस ऐतिहासिक दिन पर सभी कोरोना योद्धाओं को कोटि-कोटि नमन करते हुए यह भी कहा कि यह 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की परिचायक है। ■

‘तमिलनाडु हमारे राष्ट्र के लिए सदियों से प्रेरक रहा है’

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 जनवरी, 2021 को तमिलनाडु का एकदिवसीय प्रवास किया, जहां उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया।

श्री नड्डा ने चेन्नई (तमिलनाडु) के मदुरावॉयिल में भाजपा पश्चिम चेन्नई जिले द्वारा आयोजित पोंगल ‘नम्मा ऊरु पोंगल’ उत्सव में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर सभा को भी संबोधित किया और तमिलनाडु की महान संस्कृति और परंपरा की प्रशंसा की।

इससे पहले श्री नड्डा का चेन्नई हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सीटी रवि, भाजपा तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष श्री एल मुरुगन और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्री नड्डा ने कहा कि यह किसानों का त्योहार है, जो देश का ख्याल रखते हैं और पूरा देश इस त्योहार को मनाता है। हालांकि, इसका तमिलनाडु में विशेष महत्व है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं आशा करता हूं कि आप सभी को प्रचुर मात्रा में खुशियां मिलती रहे। पोंगल आपके जीवन को मिठास से भर दे! भगवान आप सभी को पोंगल के अवसर पर शांति, समृद्धि और खुशी प्रदान करें!

● मोदी जी ने इस बात का प्रयास किया है कि पूरा देश आगे बढ़े, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि तमिलनाडु विकास की इस यात्रा में लंबी छलांग लगा सके

तमिलनाडु की पारंपरिक सफेद धोती, सफेद शर्ट और अंगवस्त्र पहने हुए श्री नड्डा ने राज्य की संस्कृति और परंपराओं की प्रशंसा करते हुए इस बात का उल्लेख भी किया कैसे राज्य सबसे पुरानी भाषा का घर रहा है।

तमिलनाडु के विकास के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि मोदी जी ने इस बात का प्रयास किया है कि पूरा देश आगे बढ़े, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि तमिलनाडु विकास की इस यात्रा में लंबी छलांग लगा सके।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार और मौजूदा मोदी सरकार के दौरान आवंटन की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि संप्रग-2 के दौरान 13वें वित्त आयोग ने तमिलनाडु को 94,000 करोड़ रुपये दिए। जबकि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 14वें वित्त आयोग ने राज्य को विकास के लिए 5.42 लाख करोड़ रुपये दिए। केंद्र सरकार ने वस्त्र और इससे जुड़े हुए उद्योग के विकास के लिए 1600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसका तमिलनाडु में एक विशेष स्थान है। उन्होंने कहा यह आत्मनिर्भर भारत और वोकल फोर लोकल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री नड्डा ने कहा कोरोना के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त उदाहरण पेश करते हुए 20 करोड़ महिलाओं के खाते में तीन महीनों के लिये 1500 रुपये भेजे। आठ करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन भी दिए गए। उजाला योजना के तहत तमिलनाडु में लगभग 36 लाख एलईडी बल्ब वितरित किए गए। चेन्नई से शुरू होने वाला रक्षा गलियारा-कोयम्बटूर भी एक प्रमुख आर्थिक गलियारा है, जो राज्य के युवाओं के लिए अधिक रोजगार व अवसर पैदा कर रहा है। चेन्नई मेट्रो पर 2,875 करोड़ रुपये और राज्य में मोनोरेल पर 3,267 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। आवास योजना के तहत, 5.36 लाख घरों का निर्माण गरीबों के लिए किया गया है। मोदी सरकार द्वारा तमिलनाडु को 11 मेडिकल कॉलेज और एक एम्स दिया गया हैं। व्यावहारिक रूप से प्रत्येक 3 लोकसभा क्षेत्रों में अब कम से कम एक मेडिकल कॉलेज होगा। बाद में श्री जेपी नड्डा ने चेन्नई में तुगलक मैगज़ीन की 51वीं वर्षगांठ समारोह को भी संबोधित किया। 51वें वर्ष में प्रवेश करने के लिए तुगलक पत्रिका की सराहना करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पत्रिका अपनी धार्मिकता, बौद्धिकता, व्यंग्य और राजनीतिक पंच के लिए जानी जाती है और तुगलक के पाठक और प्रशंसक विश्व के हर कोने में हैं।

उन्होंने कहा कि तुगलक और उसके संस्थापक (स्वर्गीय चो रामास्वामी) पर्यायवाची हैं। मैं एक छात्र नेता के तौर पर चो से मिला था। मुझे खुशी है कि एस. गुरुमूर्ति को चो से यह विरासत में मिली और उन्होंने एक असंभव कार्य की ओर क़दम बढ़ाया। ■

इंडिया टुडे-कार्वी इनसाइट्स सर्वे

नरेन्द्र मोदी भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री: इंडिया टुडे

इंडिया टुडे-कार्वी इनसाइट्स द्वारा जनवरी, 2021 में हुए एक सर्वे में 74% प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रदर्शन को अच्छा या उत्कृष्ट माना है। गौरतलब है कि सत्ता के अपने सातवें वर्ष में भी श्री मोदी की लोकप्रियता अभूतपूर्व है। साथ ही सर्वे में श्री मोदी को भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया है। सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री की रेटिंग में श्री मोदी (38%) श्री अटल बिहारी वाजपेयी (18%), श्रीमती इंदिरा गांधी (11%), श्री जवाहरलाल नेहरू (8%) और श्री मनमोहन सिंह (7%) से काफी आगे हैं। मोदी सरकार के समग्र प्रदर्शन को भी सर्वे में सराहा गया है। 66 फीसदी लोग मोदी सरकार से संतुष्ट हैं या बहुत संतुष्ट।

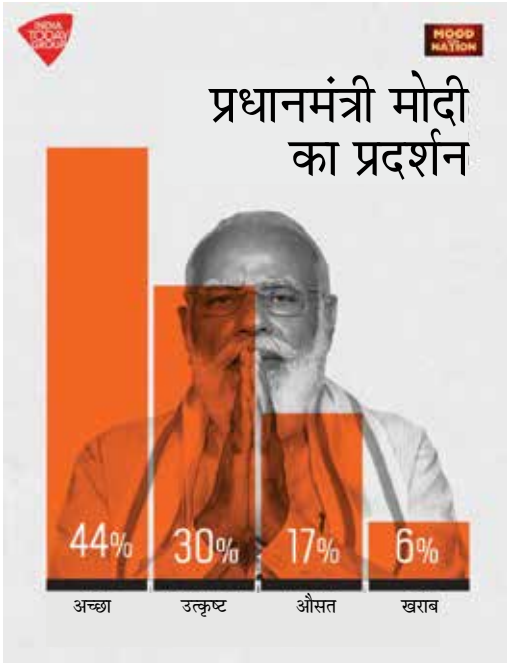

सर्वेक्षण पर इंडिया टुडे ने टिप्पणी करते हुए लिखा है, "कोविड-19 संकट के बाद हर भारतीय के मन में अनिश्चितता हो सकती है, लेकिन एक बात बिल्कुल निश्चित है: देश को किसी भी संकट से बाहर निकालने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भारत का विश्वास।" ■

भारत में कृषि सुधारों को आगे बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है 'तीनों हालिया कानून': आईएमएफ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का मानना है कि 'तीनों हालिया कानून' भारत में कृषि सुधारों को आगे बढ़ाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। आईएमएफ के एक संचार निदेशक (प्रवक्ता) गेरी राइस ने कहा कि नये कानून बिचौलियों की भूमिका को कम करेंगे और दक्षता बढ़ायेंगे।

उन्होंने 14 जनवरी को वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारा मानना है कि इन तीनों कानूनों में भारत में कृषि सुधारों को आगे बढ़ाये जाने का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है। राइस ने कहा कि ये कानून किसानों को खरीदारों से प्रत्यक्ष संबंध बनाने का मौका देंगे। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी, दक्षता बढ़ेगी, जो किसानों को अपनी उपज की बेहतर कीमत हासिल करने में मदद करेगा और अंततः ग्रामीण क्षेत्र की वृद्धि को बल देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में जिन लोगों की नौकरियां जायेंगी, उनके लिये कुछ ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिये कि वे रोजगार बाजार में समायोजित हो सकें। राइस ने कहा कि निश्चित रूप से इन सुधारों के लाभ प्रभावशीलता और उनके कार्यान्वयन के समय पर निर्भर होंगे। इसलिये सुधार के साथ इन मुद्दों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। ■

विशाल जनसभा, सिलचर (असम)

प्रधानमंत्री जी के विकास के विजन को भाजपा की सर्बानंद सोनोवाल सरकार ने जमीन पर उतारा: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 जनवरी 2021 को सिलचर (असम) के पुलिस पैरेड ग्राउंड में आयोजित विशाल जन-सभा को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में असम की भाजपा सरकार की विकास गाथा को विस्तार से वर्णित करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। जन-सभा को असम के मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और नार्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के कन्वीनर डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा ने भी संबोधित किया। इससे पहले सिलचर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा श्री नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं असम के प्रभारी श्री बैजयंत पांडा, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दिलीप सैकिया, असम के सह-प्रभारी श्री पवन शर्मा, भाजपा असम प्रदेशाध्यक्ष श्री रणजीत कुमार दास सहित पार्टी के सांसद, विधायक, पदाधिकारी एवं भारी संख्या में राज्य की जनता उपस्थित थी।

श्री नड्डा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी असम की संस्कृति, भाषा और विरासत को संभाल कर रखने के लिए संकल्पित है और हमने इसे चरितार्थ कर दिखाया है। चाहे अहोम भाषा के संरक्षण की बात हो या असम के आंदोलन की आवाज बनने की बात, भारतीय जनता पार्टी ने सदैव आगे बढ़कर इसे आगे बढ़ाया है। असम के आंदोलन को देश की आवाज सबसे पहले श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने संसद के अंदर और बाहर बनाया था। हमने 'कश्मीर हो या गुवाहाटी, अपना देश अपनी माटी' का नारा दिया था। यह एनडीए की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार थी जिसने महान स्वतंत्रता सेनानी गोपीनाथ बारदोलोई जी को भारत रत्न दिया था और अब भाजपा की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार है जिसने असम की पहचान श्रद्धेय भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न से सम्मानित किया।

> • चाहे अहोम भाषा के संरक्षण की बात हो या असम के आंदोलन की आवाज बनने की बात, भारतीय जनता पार्टी ने सदैव आगे बढ़कर इसे आगे बढ़ाया है

उन्होंने कहा कि यह असम की भाजपा सरकार है जिसने यहां के छह समुदायों कोच, राजबोंगशी, ताई अहोम, चुटिया, मतक, मोरान और टी ट्राइब्स को एसटी का स्टेटस देकर वर्षों पुरानी मांग को पूरा किया जिसे कांग्रेस ने वर्षों लटका कर रखा था। लगभग 50 वर्षों तक बोडो आंदोलन चला, कई लोगों की जानें इसमें गई लेकिन भाजपा की सरकार में ये आंदोलन ख़त्म हुआ। हमने उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। इसी तरह, त्रिपुरा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और गृह मंत्री श्री अमित शाह के सहयोग से ब्रू-रियांग समस्या का भी समाधान हुआ। यह भाजपा सरकार है जिसने लैंड-स्वीप करके

असम की बॉर्डर समस्या का भी समाधान किया। स्मार्ट फैंस प्रोजेक्ट से असम की जनता को हमारी सरकार ने घुसपैठ से बचाया।

कांग्रेस पर हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में प्रोजेक्ट शुरू होते थे लेकिन ख़त्म नहीं होते थे, उलटे प्रोजेक्ट का बजट कई गुना बढ़ जाता था। हमारी सरकार में भूपेन हजारिका सेतु और बोगिविल ब्रिज का भी काम पूरा हुआ, असम गैस क्रैकर प्रोजेक्ट भी पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यूपीए की सरकार में असम के विकास के लिए सिर्फ 50,000 करोड़ रुपये दिए गए जबकि मोदी सरकार में असम के विकास के लिए तीन लाख करोड़ रुपये दिए गए। मुझे खुशी है कि जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था तो मैंने गुवाहाटी को 1,350 करोड़ रुपये की लागत से एक एम्स दिया, जिस पर प्रतिवर्ष लगभग 2000 करोड़ रुपये का रेकरिंग खर्च आयेगा। इतना ही नहीं, पूरे असम में 8 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए। अभी हाल ही में गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 835 करोड़ रुपये की लागत से एक नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया है। असम में ऑयल रिफायनरी के लिए लगभग 22 हजार करोड़ रुपये और नुमालीगढ़ बायो रिफाइनरी के लिए लगभग साढ़े 12 हजार करोड़ रुपये दिए गए। इसके अतिरिक्त राज्य में 15 नए हाइवे, 31 नए स्टेट हाइवे और ब्रह्मपुत्र पर पांच नए ब्रिज का निर्माण हुआ है।

• जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था तो मैंने गुवाहाटी को 1,350 करोड़ रुपये की लागत से एक एम्स दिया, जिस पर प्रतिवर्ष लगभग 2000 करोड़ रुपये का रेकरिंग खर्च आयेगा। इतना ही नहीं, पूरे असम में 8 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए

श्री नड्डा ने कहा कि जब असम की कमान सर्बानंद सोनोवाल सरकार ने संभाली, तब असम में भारी संख्या में टॉयलेट्स की कमी थी। लगभग 56 प्रतिशत महिलाओं के पास टॉयलेट्स नहीं था। मोदी सरकार में देश भर में लगभग 11 करोड़ टॉयलेट्स का निर्माण कराया गया जिसमें से 35 लाख असम में बने। अब असम भी ओडीएफ हो गया है। देश में खोले गए लगभग 40 करोड़ जन-धन खातों में से 1.66 करोड़ खाते असम में खुले। कोविड लॉकडाउन के दौरान देश के लगभग 20 करोड़ महिला जन-धन खाता धारकों के एकाउंट में तीन किस्तों में 1500 रुपये डाले गए। देश में 8 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए जिसमें से लगभग 35 लाख कनेक्शन केवल असम में दिए गए। देश भर में सौभाग्य योजना के तहत जहां 2.60 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई गई, वहीं असम में भी लगभग 17 लाख घरों में बिजली पहुंचाई गई। आयुष्मान भारत योजना से देश भर में जहां लगभग 50 करोड़ लाभान्वित हो रहे हैं, वहीं असम में भी 1.11 लाख लोग अब तक इस योजना का लाभ उठा चुके हैं जिस पर करोड़ों रुपये का खर्च आया है।

उन्होंने कहा कि असम की भाजपा सरकार द्वारा 12वीं पास करने पर बहनों को स्कूटी दी गई है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लगभग 2.17 लाख बहनों को साइकिल दी गई है। ये केवल स्कूटी या साइकिल नहीं, बल्कि उनका सम्मान है। कांग्रेस के जमाने में लोगों को पता ही नहीं था कि वे अपनी जमीन के अधिकारी है। ब्रह्मपुत्र और बराक वैली में प्रथम चरण में लगभग 1.10 लाख लोगों को जमीन का पट्टा दिया गया है जबकि द्वितीय चरण में भी लगभग इतने ही लोगों को जमीन का पट्टा दिया जाएगा। असम में ब्रह्मपुत्र पुष्कर मेला और स्वामी विवेकानंद असम यूथ एम्पावरमेंट योजना की शुरुआत की गई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत में असम को आगे बढ़ाना है। वोकल फॉर लोकल के तहत बैम्बू इंडस्ट्री, जूट उद्योग, टी उद्योग को असम में आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि जहां तक लॉ एंड ऑर्डर की बात है तो यह हम सबको पता है कि कांग्रेस के समय असम में क़ानून-व्यवस्था की कितनी दयनीय स्थिति थी। भाजपा सरकार में समाज से भटके हुए हजारों लोगों ने आत्मसमर्पण किया। कांग्रेस की सरकार में बड़ी संख्या में लोग ह्यूमन ट्रेफिकिंग का शिकार बनते थे, लेकिन आज इस पर रोक लगाने का काम सर्बानंद सोनोवाल सरकार ने किया है। कांग्रेस के 15 सालों में असम में लगभग दो हजार से अधिक सिविलियंस और लगभग 284 सिक्योरिटी पर्सन्स को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। लगभग 1200 लोग इस दौरान किडनैप कर लिए गए थे। लगभग 51 प्रतिशत लोग बिना बिजली के रहने को विवश थे कांग्रेस की सरकार में लेकिन आज हर क्षेत्र में स्थितियां बदली हैं और असम विकास की नित नई गाथा लिख रही है। उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण के दौरान मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री हिमंता बिस्व सरमा ने बेहतरीन कम्युनिटी सर्विलांस सिस्टम डेवलप किया जिसका परिणाम ये है कि असम की फैटिलिटी रेट काफी कम है।

श्री नड्डा ने असम की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले विधान सभा चुनाव में प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को सेवा का एक अवसर और दें और प्रदेश को विकास के पथ पर और तेज गति से अग्रसर बनाए रखें। भाजपा प्लस, 100 प्लस। मैंने असम की जनता का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के लिए अपार प्यार और स्नेह देखा है। प्रधानमंत्री जी के विकास के विजन को भाजपा की सर्बानंद सोनोवाल सरकार ने असम में जमीन पर उतारा है। ■

83 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) 'तेजस' खरीदने की मिली मंजूरी

हल्के लड़ाकू विमान एमके-1ए स्वदेश में डिजाइन, विकसित और निर्मित अत्याधुनिक आधुनिक 4+पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 13 जनवरी, 2021 को 45,696 करोड़ रुपये की लागत से 73 एलसीए तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान और 10 एलसीए तेजस एमके-1 ट्रेनर विमान की खरीद को मंजूरी दी। इसके साथ डिजाइन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1,202 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

हल्के लड़ाकू विमान एमके-1ए स्वदेश में डिजाइन, विकसित और निर्मित अत्याधुनिक आधुनिक 4+पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं। यह विमान इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए सक्रिय एरे (एईएसए) रडार, बियॉन्ड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) स्वीट और एयर टू एयर रिफ्यूलिंग (एएआर) की महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं से लैस है, जो भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म होगा।

यह 50 प्रतिशत की स्वदेशी सामग्री के साथ लड़ाकू विमानों की श्रेणी की पहली 'खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित)' है जो कार्यक्रम के अंत तक धीरे-धीरे 60 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

मंत्रिमंडल ने परियोजना के तहत आईएएफ द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास को भी मंजूरी दे दी, ताकि वे अपने बेस डिपो में मरम्मत या सर्विसिंग को सक्षम बना सकें ताकि मिशन क्रिटिकल सिस्टम के लिए विमान में माल लादने और उतारने का समय कम हो जाए और परिचालन उपयोग के लिए विमान की उपलब्धता बढ़े। यह आईएएफ को संबंधित अड्डों पर मरम्मत के बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के कारण

बेड़े को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से बनाए रखने में सक्षम करेगा।

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत भारत लगातार रक्षा क्षेत्र में उन्नत अत्याधुनिक तकनीकों और प्रणालियों के डिजाइन, विकास और निर्माण स्वदेशी रूप से करने की अपनी शक्ति में वृद्धि कर रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा हल्के लड़ाकू विमान के निर्माण से आत्मनिर्भर भारत पहल को और अधिक बढ़ावा मिलेगा और देश में रक्षा उत्पादन और रक्षा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

इस खरीद में एचएएल के साथ डिजाइन और विनिर्माण क्षेत्रों में एमएसएमई सहित लगभग 500 भारतीय कंपनियां काम करेंगी। यह कार्यक्रम भारतीय एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को एक जीवंत आत्मनिर्भर इकोसिस्टम में बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। ■

जीएसटी क्षतिपूर्ति हेतु अब तक जारी हुई 72,000 करोड़ रुपये की धनराशि

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 18 जनवरी को राज्यों को उनकी जीएसटी राजस्व क्षतिपूर्ति में कमी की भरपायी के लिये 6,000 करोड़ रुपये की 12वीं किस्त जारी की। इस प्रकार अब तक इस सुविधा के तहत राज्यों को कुल 72,000 करोड़ रुपये जारी किये जा चुके हैं।

केन्द्र सरकार ने माल एवं सेवाकर (जीएसटी) प्राप्ति में चालू वित्त वर्ष के दौरान आने वाली संभावित 1.10 लाख करोड़ रुपये की कमी को पूरा करने के लिये राज्यों के लिये एक विशेष उधारी खिड़की की शुरुआत की है। इसी के तहत राज्यों को हर सप्ताह क्षतिपूर्ति राशि जारी की जा रही है।

वित्त मंत्रालय ने 18 जनवरी को जारी वक्तव्य में कहा कि उसने जीएसटी क्षतिपूर्ति के लिये 6,000 करोड़ रुपये की 12वीं साप्ताहिक किस्त जारी की है। इस राशि में से 5,516.60 करोड़ रुपये की राशि 23 राज्यों को जारी की गई। वहीं 483.40 करोड़ रुपये की राशि विधानसभा वाले तीन संघ शासित प्रदेशों–दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी–को जारी किये गये। ये राज्य भी जीएसटी परिषद के सदस्य हैं। मंत्रालय ने बताया कि यह राशि 4.43 प्रतिशत की ब्याज दर पर उधार ली गई है। मंत्रालय ने कहा है कि अब तक जीएसटी में अनुमानित राजस्व कमी की 65 प्रतिशत राशि राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को जारी की जा चुकी है। इस राशि में से 65,582.96 करोड़ रुपये राज्यों को और 6,417.04 करोड़ रुपये की राशि विधानसभा वाले तीन संघ शासित प्रदेशों को जारी किये गये।

कुल मिलाकर अब तक 12 किस्तों में 72,000 करोड़ रुपये की राशि जीएसटी क्षतिपूर्ति के तौर पर जारी की जा चुकी है। यह राशि औसतन 4.70 प्रतिशत ब्याज पर प्राप्त हुई है। ■

सिर्फ एक सप्ताह में 534 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का रिकॉर्ड निर्माण हुआ

चालू वित्त वर्ष 2020-21 में अप्रैल, 2020 से लेकर 15 जनवरी, 2021 के दौरान 8,169 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 8 जनवरी को शुरू हुए पिछले सप्ताह के दौरान 534 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कर एक रिकॉर्ड बनाया। मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 में अप्रैल, 2020 से लेकर 15 जनवरी, 2021 के दौरान 8,169 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। यानी इस अवधि में मंत्रालय द्वारा प्रतिदिन लगभग 28.16 किलोमीटर की गति से राजमार्गों का निर्माण किया गया। पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 26.11 किलोमीटर प्रतिदिन की गति से 7,573 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया था।

मंत्रालय को उम्मीद है कि इस गति के साथ वह 31 मार्च तक 11,000 किलोमीटर सड़क के निर्माण के लक्ष्य को पार करने में सक्षम होगा। मंत्रालय ने इस अवधि (अप्रैल, 2020 से 15 जनवरी, 2021) के दौरान 7,597 किलोमीटर की राष्ट्रीय राजमार्ग की परियोजनाओं को मंजूरी भी दी। वर्ष 2019-20 में इसी अवधि के दौरान 3,474 किलोमीटर की परियोजनाओं को मंजूर किया गया था। इस प्रकार इस वित्तीय वर्ष में मंजूरी देने की गति भी दोगुनी से अधिक हो गई है।

वर्ष 2019-20 में कुल मिलाकर 8,948 किलोमीटर सड़क की परियोजनाओं को मंजूर किया गया, जबकि 10,237 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया।

यह उपलब्धि इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीने बेकार चले गए थे। मंत्रालय ने निर्माण की गति बढ़ाने के लिए कई पहल की। निर्माण की गति चालू वित्त वर्ष के शेष महीनों में और अधिक बढ़ने की उम्मीद है, जो निर्माण से जुड़ी गतिविधियों के लिहाज से अनुकूल है। ■

जन-औषधि केन्द्रों ने 2020-2021 में नागरिकों की 3000 करोड़ रुपये की बचत की

गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं की बिक्री में संलग्न देश के सभी जिलों में स्थित 7064 प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि केन्द्रों ने वित्तीय वर्ष 2020-2021 (12 जनवरी, 2021 तक) के दौरान 484 करोड़ रुपये मूल्य की बिक्री दर्ज की। इस आंकड़े से जो पिछले वित्तीय वर्ष के समतुल्य आंकड़ों की तुलना में 60% अधिक है, इस देश के नागरिकों की लगभग 3000 करोड़ रुपये की बचत हुई। इस आशय की घोषणा केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री सदानंद गौड़ा ने 14 जनवरी को कर्नाटक में की।

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के दौरान भारत सरकार ने जन-औषधि केन्द्रों को 35.51 करोड़ रुपये का अनुदान दिया था, जबकि इस अवधि में नागरिकों की 2600 करोड़ रुपये की बचत हुई थी। इस प्रकार सरकार द्वारा खर्च किए गए प्रत्येक एक रुपये की वजह से नागरिकों को 74 रुपये की बचत हुई। श्री गौड़ा ने कहा कि इस कदम का गुणक प्रभाव स्पष्ट है।

केन्द्रीय मंत्री ने यह भी घोषणा की कि इसके अलावा पूरे देश में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अब तक 10 करोड़ से अधिक जन-औषधि 'सुविधा' सेनेटरी पैड की बिक्री 1 रुपये प्रति पैड की दर से की गई है। दिसंबर, 2020 में कुल 3.6 करोड़ रुपये मूल्य के जन-औषधि 'सुविधा' सेनेटरी पैड की खरीद संबंधी आदेश जारी किए गए। कुल 30 करोड़ जन-औषधि 'सुविधा' सेनेटरी पैड से जुड़ी निविदा को भी अंतिम रूप दे दिया गया है।

श्री गौड़ा ने कहा कि वर्तमान में कर्नाटक में कुल 788 प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि केन्द्र नागरिकों को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं प्रदान करके उनकी सेवा कर रहे हैं। कर्नाटक का इरादा मार्च, 2021 तक राज्य में कुल 800 प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि केन्द्र खोलने का लक्ष्य हासिल करना है। अपनी दवाओं की विस्तृत श्रृंखला के साथ स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक अनूठी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि केन्द्रों का इरादा कर्नाटक में मार्च, 2021 तक कुल 125 करोड़ रुपये मूल्य की बिक्री का लक्ष्य हासिल करना है। ■

रतले पनबिजली परियोजना के लिए 5281.94 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 20 जनवरी को केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर स्थित 850 मेगावाट की रतले पनबिजली (एचई) परियोजना के लिए 5281.94 करोड़ रुपये के निवेश को अपनी मंजूरी दे दी। यह निवेश राष्ट्रीय जल विद्युत निगम (एनएचपीसी) और जम्मू-कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम लिमिटेड (जेकेएसपीडीसी) की क्रमशः 51% और 49% हिस्सेदारी वाली एक नई संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) द्वारा किया जाएगा।

मुख्य विशेषताएं

भारत सरकार भी रतले एचई परियोजना (850 मेगावाट) के निर्माण के लिए गठित की जाने वाली संयुक्त उद्यम कंपनी में जेकेएसपीडीसी के इक्विटी योगदान के लिए 776.44 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान करके केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को आवश्यक सहयोग दे रही है। एनएचपीसी अपने आंतरिक संसाधनों से 808.14 करोड़ रुपये की अपनी इक्विटी का निवेश करेगी। रतले पनबिजली परियोजना को 60 माह की अवधि के भीतर चालू किया जाएगा। दरअसल इस परियोजना से उत्पन्न बिजली ग्रिड को संतुलन प्रदान करने में मदद करेगी और इसके साथ ही इससे बिजली आपूर्ति की स्थिति में सुधार होगा।

कार्यान्वयन रणनीति

परियोजना को व्यवहार्य या लाभप्रद बनाने के लिए केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकार इस परियोजना के चालू होने के बाद 10 साल तक जल उपयोग शुल्क लगाने से छूट देगी, जीएसटी (यानी एसजीएसटी) में राज्य की हिस्सेदारी की प्रतिपूर्ति करेगी और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को मिलने वाली मुफ्त बिजली में न्यूनीकरण तरीके से छूट देगी, अर्थात् केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को मिलने वाली मुफ्त बिजली इस परियोजना के चालू होने के बाद पहले साल में 1% होगी और प्रतिवर्ष 1% की दर से बढ़कर 12वें साल में 12% हो जाएगी।

उद्देश्य

इस परियोजना की निर्माण संबंधी गतिविधियों के परिणामस्वरूप लगभग 4000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा और इसके साथ ही यह परियोजना केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में अहम योगदान देगी। इसके अलावा, केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर 5289 करोड़ रुपये की मुफ्त बिजली पाने के साथ-साथ 40 वर्षों के परियोजना जीवन चक्र के दौरान रतले पनबिजली परियोजना से 9581 करोड़ रुपये के जल उपयोग शुल्क के माध्यम से लाभान्वित होगा। ■

भारत ने विकसित की पहली स्वदेशी 9एमएम मशीन पिस्तौल

रक्षा मंत्रालय द्वारा 14 जनवरी को जारी एक वक्तव्य के अनुसार भारत की पहली स्वदेशी 9 एमएम मशीन पिस्तौल संयुक्त रूप से डीआरडीओ तथा भारतीय सेना द्वारा विकसित किया गया है। इस हथियार की डिजाइन और विकास कार्य इंफ्रेंटरी स्कूल, महोव तथा डीआरडीओ के आर्मामेन्ट रिसर्च एंड डवलेपमेंट स्टैब्लिशमेंट (एआरडीई), पुणे द्वारा अपनी विशेषज्ञताओं का उपयोग करते हुए किया गया है।

यह हथियार 4 महीने के रिकार्ड समय में विकसित किया गया। मशीन पिस्तौल इनसर्विस 9 एमएम हथियार को दागता है। इसका ऊपरी रिसीवर एयरक्राफ्ट ग्रेड एलुमिनियम से तथा निचला रिसीवर कार्बन फाइबर से बना है। ट्रिगर घटक सहित इसके विभिन्न भागों की डिजाइनिंग और प्रोटोटाइपिंग में 3डी प्रिंटिंग प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया है।

सशस्त्र बलों में हेवी वेपन डिटेंचमेंट, कमांडरों, टैंक तथा विमानकर्मियों ड्राइवर/डिस्पैच राइडरों, रेडियो/राडार ऑपरेटरों, नजदीकी लड़ाई, चरमपंथ विरोधी तथा आतंकवादरोधी कार्रवाइयों में व्यक्तिगत हथियार के रूप में इसकी क्षमता काफी अधिक है। इसका इस्तेमाल केंद्रीय तथा राज्य पुलिस संगठनों के साथ-साथ वीआईपी सुरक्षा ड्यूटियों तथा पुलिसिंग में किया जा सकता है। प्रत्येक मशीन पिस्तौल की उत्पादन लागत 50 हजार रुपये के अंदर है और इसके निर्यात की संभावना भी है।

पिस्तौल का नाम 'अस्मी' रखा गया है जिसका अर्थ गर्व, आत्मसम्मान तथा कठिन परिश्रम है। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को ध्यान में रखते हुए यह कदम आत्मनिर्भरता के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा और सेना तथा अर्धसैनिक बलों में इसे तेजी से शामिल किया जाएगा। ■

अपनी विचारधारा सहयोग पर आधारित

दीनदयाल उपाध्याय

गतांक का अंतिम भाग...

धर्म जिससे धारण होता है, वह धारणा संघर्ष से नहीं उत्पन्न होती। धारणा होती है इस सामंजस्य से। समन्वय होता है एक-दूसरे के जीवन से एकरूप होने से, एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने का प्रयत्न करना है। महाभारत में धर्म और अधर्म की बहुत सरल व्याख्या की गई है। 'भ्रम' अधर्म है यानी मेरा यह अधर्म है। तीन अक्षर 'न मम' मेरा नहीं यह धर्म है। मेरा कुछ नहीं, जो कुछ है तेरा, यही भाव धर्म है। मैं, मेरा है, यह अधर्म है। इससे अहंकार जाग्रत् होता है, स्वार्थ उत्पन्न होता है। व्यक्ति अपने को ही केंद्र बनाकर संपूर्ण सृष्टि का विचार करता है। अधर्म का भाव पैदा होता है।

यदि संसार को चलाना है तो मैं नहीं, मेरा कुछ नहीं। दूसरे का विचार करके चलो। यही विचार इसी को अपने यहां नाम दिया है, उसको यज्ञ कहते हैं। यज्ञ से मतलब हवनकुंड नहीं। उसमें आहुति डालना, यह यज्ञ का प्रतीक है। यह यज्ञभाव जगाने की एक पद्धति है। यह संस्कार डालने का एक तरीक़ा है। इसलिए जब आहुति डालते हैं, तब कहते हैं 'इदं इन्द्राय इदं न मम्', यह मेरा नहीं है, यह यज्ञ की कल्पना है। इसके आगे भी कहा जो यज्ञ से योग करता है, वह तो अमृत है। प्रसाद के रूप में जो मिलेगा, उसे ग्रहण करूंगा, यह त्याग का भाव अमृत होता है। माता भोजन बनाती है तो सबके पश्चात् जो बचता है, उसे ग्रहण करती है। उसे उसी में आनंद का अनुभव होता है। परंतु होटल में देखें रसोइया पहले अपने लिए निकालकर अलग रख लेता है, तब बाद में सबको खिलाता है। मां के भोजन में क्यों स्वाद का अनुभव और रसोइए के भोजन में क्यों नहीं। मां को कुछ बचे-न-बचे, पर अपने पुत्रों को मिलना चाहिए। यह भाव रहता है। यह दृष्टिकोण अपने यहां का है। मैं अपने लिए नहीं तो दूसरे की सुविधा के लिए हूं। मैं अपने लिए नहीं, तो दूसरे के लिए जिंदा हूं।

व्यक्ति की स्वतंत्रता और समाज का हित दोनों का मेल बैठता है। व्यक्ति स्वतंत्र है। उस पर कोई रोक नहीं, परंतु अपनी स्वतंत्रता का उपयोग यदि अपने ही लिए करेगा तो, अपने ही लिए जिंदा रहेगा तो फिर वह ग़लत कार्य करेगा। जब व्यक्ति अपने लिए जिंदा नहीं रहता तो दूसरों के लिए चिंता करता है। समाज की सेवा करने का प्रयत्न करेगा। हमारा राष्ट्र है, वह जिंदा रहे। यह भाव मन में आता है, हमारा ही राष्ट्र जिंदा रहे बाक़ी की दुनिया ख़त्म हो जाए, ऐसा विचार लेकर नहीं चले हैं।

हम यह कल्पना लेकर चले हैं कि हमारा हिंदुस्थान ऊंचा उठे और दुनिया भी रहे। कल्पना कीजिए यदि दुनिया के अंदर कोई न रहे तो क्या हमारा परम वैभव होगा? क्या संसार में केवल हिंदुस्थान रह जाए। ख़ुद को खाने को हो पीने को हो, परंतु यदि हमारा परम वैभव देखनेवाला कोई न रहा तो परम वैभव कैसा?

यह कहानी स्मरण आती है कि एक सज्जन थे। उन्हें एक थाली मिली, जिससे वे जो चाहें, वह प्राप्त कर सकते थे। अतः उसने अपने लिए मकान मांगा तो पड़ोसी को दो-दो मिल गए। उसने अपने लिए धन मांगा तो पड़ोसी को दूना मिल गया। उसे द्वेष उत्पन्न हुआ। उसने फिर उलटा सोचना आरंभ किया। उसने मांगा, मेरी एक आंख फूट जाए। पड़ोसी की दोनों फूट गई। उसने अपने दरवाजे के सामने एक कुआं मांगा, पड़ोसी के दरवाजे के सामने दो कुएं हो गए। उसने अपनी एक टांग टूटने का मांगा, पड़ोसी की दोनों टूट गईं। धीरे-धीरे सभी अपंग होकर कुएं में गिर गए। इसको लगा कि अब मैं सबसे बड़ा हूं। परंतु उसके बड़प्पन को देखनेवाला कोई नहीं, वह यह भूल गया कि भले ही पड़ोसी उससे दूने धनवान बनते हैं, परंतु वह उसके कारण है। उसने भगवान् से कहा, महाराज, आपने कैसा वरदान दिया कि मेरा वैभव देखनेवाला कोई नहीं। तो भगवान् ने बताया कि तेरे कारण से उसके दो घर बने तो वैभव तो तेरा ही था।

इस प्रकार की प्रवृत्ति कि दुनिया में हम ही रहें। बाक़ी के लोगों को हडप कर जाओ। प्रकृति पर विजय प्राप्त करो। इस प्रकार का एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को exploit कर रहा है। प्रकृति को exploit कर रहा है। यह exploitation हमारे यहां नहीं होता। हम प्रकृति का शोषण नहीं करते। गऊ माता है, दूध माता के प्रसाद के रूप में लेता हूं। हम गंगा के पानी को exploit नहीं करते, क्योंकि उसे मां मानते हैं और उसके द्वारा प्रसाद रूप में जल लेते हैं। हमारे यहां घरों में माताएं, बहनें घर का काम करती हैं तो पश्चिम के लोग यही परिभाषा करते हैं कि पुरुष स्त्रियों का शोषण कर रहा है। पुत्र बीमार होता है, मां दिन-रात सेवा करती है तो क्या मां का पुत्र exploitation कर रहा है। यह exploitation नहीं। यह परिभाषा ग़लत है। संपूर्ण प्रकृति के साथ हमारा यह भाव नहीं है। इसलिए हमारा तो वैभव है, जिस वैभव में हम बहुत ऊंचे उठेंगे, धनधान्य से देश पूर्ण रहेगा। हम ज्ञानवान रहेंगे और बाक़ी की दुनिया अज्ञानी रहेगी, यह भाव नहीं। अपितु जिस प्रकार हम बढ़ेंगे, उसी तरह दुनिया के लोगों को भी बढ़ाएंगे।

हमारे यहां प्राचीन काल में जो आदर्श रखे हैं, वह है 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' दुनिया को आर्य बनाओ। हमने यह नहीं कहा कि हमें ज्ञान प्राप्त हो गया तो उसे दुनिया से Secret रखें। आज तक हमने दुनिया से कोई Secret नहीं रखा। कोई चीज़ छिपाकर नहीं रखी। परंतु पात्र-अपात्र का अवश्य ध्यान रखते हैं। बीच के काल में कुछ छिपा था तो उसे पात्र-अपात्र का विचार किया। इसलिए हमारे यहां के लोग बाहर ज्ञान का संदेश लेकर गए, उन्हें आर्य बनाया। उसका मतलब यह नहीं कि विश्व में जो है, उनको गुलाम बनाओ। विश्व को भारत का गुलाम बनाओ अपितु उसके पीछे यह भाव है कि विश्व ऊंचा उठे। उसके आधार पर हम खड़े हुए हैं। एक प्रकार से हम देखें कि हम विश्व की एकता चाहते हैं। मानव की एकता चाहते हैं। हमारा धर्म मानव का हित चाहता है। मानव का हम सच्चे अर्थ में उत्कर्ष चाहते हैं। संसार के अंदर ढाई अरब की संख्या का मानव खाने-पीने वाला जानवर नहीं, तो सब लोग मानव बनेंगे। मानवोचित स्थान प्राप्त करके रहेंगे। यही हमारे जीवन का आधार है। इस सत्य का हमने आकलन किया है।

बड़ी इकाई छोटी इकाई का पूरक बनकर खड़ी हो, छोटी इकाई बड़ी इकाई का पूरक बनकर खड़ी हो। जैसे यदि कोई पुष्प गुंथकर माला के रूप में आ जाता है, यद्यपि उसका अलग अस्तित्व नहीं रहता, परंतु वह माला का एक अंग बन जाता है तो देवता के चरणों पर चढ़ता है। जीवन सार्थक हो जाता है। अन्यथा अलग पेड़ से गिरकर सारा पुष्प कुम्हलाकर नष्ट हो जाता है। इससे पुष्प की हस्ती समाप्त नहीं होती, अपितु पुष्प का विकास होता है। उसके व्यक्तित्व का विकास होता है। इसी प्रकार समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एकरूपता चाहिए। इससे उसका व्यक्तित्व नष्ट नहीं होता, अपितु विकसित होता है। व्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त नहीं होती अपितु समाजरूपी विराट स्वरूप का अंग बनकर स्वयं विराट् बन जाता है। यदि यह भाव रहा कि मेरा इससे कोई संबंध नहीं, मेरा इसका कोई नाता नहीं, तो दोनों के बीच संघर्ष आ गया है।

वास्तव में इन दोनों के बीच कोई संघर्ष नहीं, व्यक्ति और समाज के बीच कोई संघर्ष नहीं, अगर संघर्ष की कल्पना आई तो उस संघर्ष में से बराबर दुःख ही दुःख पैदा होता जाता है। हमारे यहां ऐसी कोई कल्पना नहीं। हम अपने आपको एक करना चाहते हैं।

इसलिए जब हम संगठन की बात करते हैं तो हमारा यह संगठन इसी आधार पर खड़ा है, नहीं तो कौन संगठन करता है, क्यों मिलकर रहें? बहुत लोगों को लगता है, स्वार्थ के लिए संगठन फिर उसमें भी कौन सा स्वार्थ। फिर हम संघ का कार्य करते हैं। हमारा कौन सा स्वार्थ सिद्ध होता है। सामूहिक रूप में संगठन का विचार करें। स्वार्थ का आधार लेकर चलेंगे तो उसमें कोई प्रेरणा नहीं रहेगी। संगठन तो इसलिए होता है कि हमारे राष्ट्र का जीवन है। एक हमारी परंपरा चली आ रही है। इस आधार के ऊपर ही हम विश्व को भी देखते हैं।

सौभाग्य का विषय है कि आज दुनिया के दूसरे देश भी कम-से-कम यह मंजूर करने लगे हैं कि मानव की एकता होनी चाहिए। उनको लग रहा है कि मानव लड़ रहा है, यह ठीक नहीं। मानव में लड़ाई बंद होनी चाहिए। इसका विचार कर रहे हैं। उनको शायद पता नहीं, ज्ञान नहीं- उसका मौलिक आधार कौन होगा? उसके पीछे का तत्त्वज्ञान कौन सा होगा? वह तत्त्वज्ञान हमें प्राप्त है। हजारों वर्षों से हम इसको लेकर चले हैं और चलेंगे तो हमारा चालीस करोड़ के राष्ट्र का एक जीवन ऐसा नहीं रहेगा कि इधरउधर की मार खा रहे हैं। सबसे छोटे, पददलित, पिछड़ा हुआ राष्ट्र-जीवन दिख रहा है। बहुत से लोग अपने व्यक्तिगत जीवन को ही सब कुछ समझकर, उससे थोड़ा समाधान होगा, ऐसा विचारकर चलते हैं। राष्ट्र-जीवन का विचार करने के बाद में ऐसा लगता है कि हिंदुस्थान ऐसा राष्ट्र है, जो आर्थिक और सब दृष्टि से पिछड़ा हुआ है।

हिंदुस्थान का सामान्य नागरिक अपने सामान्य, अपनी राष्ट्रीय भावना से दूर भागता है, क्योंकि राष्ट्र का विचार करते ही पाकिस्तान की धमकियां ध्यान में आती हैं। अपनी lowest income है, यानी राष्ट्रीय आमदनी इतनी पीछे है कि राष्ट्र का विचार करते ही उनके सामने यह आता है कि इतना करोड़ों का विदेशों से क़र्जा ले रखा है, इसका क्या होगा? दुनिया के बाक़ी लोग अंतरिक्ष में चले जा रहे हैं और लोग कहते हैं कि हम तो बैलगाड़ी के युग में जा रहे हैं। एक सज्जन थे लखनऊ में, उनका जन्म सन् 1948 के बाद जब गांधीजी की हत्या नाथूराम गोडसे के द्वारा हुई, तब हुआ था। अब दुर्भाग्य से कहिए या संयोग से कहिए कि उनका नाम भी नाथूराम था। उनका नाम लेते ही नाथूराम गोडसे का स्मरण हो जाता था, उन्होंने अपना नाम नाथूराम बदल दिया। उन्होंने उसे बदलकर नाथूलाल कर दिया। पहले तो उन्होंने नाथूलाल कर दिया। लोगों को फिर भी अच्छा नहीं लगा। फिर तो नाथूलाल को भी बदलकर रामनिवास कर लिया। नाम बिल्कुल ही बदल डाला। यह सोचने का ग़लत तरीक़ा है। उससे काम नहीं होगा। हमारे सामने केवल इतना ही प्रश्न नहीं है कि चीन ने अब हमारे ऊपर आक्रमण किया तो उस आक्रमण को समाप्त कर दें। हमारी राष्ट्रीय आय कम है, राष्ट्र की आमदनी बढ़ा लें; यह चीजें करणीय हैं। परंतु हमारी गति वहीं तक नहीं है। इसके आगे भी कुछ करना होगा, जैसे कि अंग्रेज़ों को हटाया। हमारी स्वतंत्रता का अर्थ इतना ही हमारे सामने नहीं है। अंग्रेज़ों को आख़िर क्यों हटाया, इसलिए कि दुनिया में हमारा राष्ट्र कुछ करने के लिए पैदा हुआ है। हम दुनिया को कुछ देने के लिए पैदा हुए हैं। हम मंदिर में पूजा करने जाते थे, अंग्रेजों ने हमें पूजा करने से रोका। उसकी पूजा में वो बाधक होता था, उसने हमको हथकड़ी पहनाकर जेल में डाल रखा था।

जिस ध्येय देवता की पूजा करने के लिए हम चल रहे थे, उसके बीच में बाधक बनकर वह खड़ा हो गया था। हम जेल से छूटकर आए हैं। आज जो छूटा है तो पहला काम क्या करना चाहिए? पहला काम

• हमारा राष्ट्र है, वह जिंदा रहे। यह भाव मन में आता है, हमारा ही राष्ट्र जिंदा रहे बाक़ी की दुनिया ख़त्म हो जाए, ऐसा विचार लेकर नहीं चले हैं

यही कि हम मंदिर की ओर जाएं। उसी के लिए हम जेल गए थे, परंतु यदि मंदिर की ओर न जाकर सीधे सिनेमा देखने चले जाएं, क्योंकि महीने भर से सिनेमा देखने नहीं गए थे, जेल में इतने दिन से बंद थे, तो यह ग़लत होगा। सबसे पहले हमें उस मंदिर की ओर जाना चाहिए, जो बाधाएं आती हैं, उनको दूर करना होगा। यदि हमारे मार्ग में चीन आएगा तो उसको दूर करेंगे और जो अन्य विकृतियां हमारे सामने बाधक बनकर आएं, तो हमारा धर्म है कि हम उन्हें दूर करें। दुनिया में हम कुछ करने के लिए पैदा हुए हैं, इस सत्य को हम पहचानें।

यह सत्य शक्ति के आधार पर टिक सकता है, उसका हम ध्यान करें। जैसे समुद्र भी यज्ञ करता है, समुद्र का पानी भाप बनकर उड़ता है, पानी से वर्षा होती है। संपूर्ण सृष्टि को चैतन्य मिलता है। वह सब सृष्टि को ही अपना देता चला जाता है। यह यज्ञ के भाव हैं, जिसके आधार पर सृष्टि चल रही है। वह हमारे जीवन का भाव बने तो हम देखेंगे कि फिर मानव के जीवन में अशांति के स्थान पर शांति आएगी। यह काम हमें करना है। संसार को ज्ञान का संदेश देंगे। यह काम करने के लिए इसका सीधा तरीक़ा यह है कि हमें अपने जीवन को उसके अनुसार ढालना पड़ेगा और जीवन के ढालने का व्यावहारिक रास्ता हमने अपना लिया है। हमने जिस मार्ग का अवलंबन किया है, वह आप सबको पता है। वह है अपना संघ का दैनिक कार्य। संघ की पद्धति से हम समाज का संगठन करते हैं।

यहां पर लोगों के सामूहिक स्वार्थों की पूर्ति नहीं होती, यदि कोई सोचे कि यहां तमाम लोग एकत्र होते हैं। हम व्यापारी हैं तो लोगों से संबंध लाकर हमारा व्यापार बढ़ेगा। मैं डॉक्टर हूं। प्रत्येक के परिवार में लोग बीमार पड़ते हैं, अतः हमारी Practice बढ़ेगी। तो यहां उलटा होता है। यदि बाहर फ़ीस मिलती है तो यहां अपनत्व के कारण वह भी नहीं मिलती। यदि कोई अध्यापक सोचे, यहां काफ़ी विद्यार्थी हैं। अतः यहां आने पर ट्यूशन प्राप्त होगा। तो यहां उलटे मुफ्त में पढ़ाना पड़ता है। हमारे संगठन का आधार स्वार्थ नहीं। हमने जिस आधार पर अपना संगठन खड़ा किया है, उसमें अपने राष्ट्र जीवन की एकात्मता का दर्शन होता है। यही भाव हम विश्व के संबंध में भी रखते हैं। संपूर्ण विश्व योग्य दृष्टि देने का हिंदू राष्ट्र का यह अवतार कार्य है। इस अवतार कार्य को पूरा करना यही परम वैभव है। जब तक यह अवतार कार्य पूरा नहीं होता, तब तक हमारा परम वैभव होता नहीं। परम वैभव प्राप्त करने के लिए जो चीज़ हम मांग सकते हैं, वह धर्म के आधार पर होगी। और तीसरी वस्तु भी संगठित कार्यशक्ति, जिसके द्वारा परम वैभव प्राप्त होगा, उसका आधार भी धर्म ही होगा। इसलिए वह संगठित शक्ति, धर्म और परम वैभव तीनों वस्तुएं एक ही हैं। उदाहरण के लिए, एक बूढ़ा था, उसने तपस्या की। ईश्वर ने उससे एक वरदान मांगने को कहा। वह बूढ़ा अंधा था, ग़रीब भी और निःसंतान भी। तीनों वस्तुएं चाहता था, परंतु वरदान एक ही मिलना था। अतः उसने बुद्धिमत्ता से यह वरदान मांगा कि मैं अपने नाती को सोने की कटोरी में खीर खाते हुए देखू। अब इस एक ही वरदान से उसे आंख, धन और संतान भी प्राप्त हो गई।

इसी प्रकार हमने भी भगवान् से तीनों चीजें मांग लीं। किंतु ये तीनों चीजें एक ही हैं। संगठित कार्यशक्ति बिना धर्म के संभव नहीं और धर्म के बिना परम वैभव नहीं। अतः इस कार्य का विचार करें, उसके लिए संपूर्ण शक्ति आ गई तो हमारे प्रतिदिन के कार्य के द्वारा ही एक-एक क़दम आगे बढ़ाकर अपने जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति हो सकेगी। ■

(समाप्त)

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : हरिगढ़ (5 जून, 1962)

श्रद्धांजलि

पुडुचेरी के भाजपा विधायक के.जी. शंकर का निधन

पुडुचेरी के भाजपा विधायक और यहां की इकाई के कोषाध्यक्ष श्री के.जी. शंकर का 17 जनवरी को उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 70 वर्षीय श्री शकंर के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक पुत्री हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री शंकर के निधन पर शोक जताया। श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि पुडुचेरी विधानसभा में विधायक के.जी. शंकर के निधन से दुःख हुआ। उन्होंने पुडुचेरी के विकास के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए और वहां भाजपा को मजबूत करने का भी काम किया। दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। श्री शंकर के निधन पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट कर कहा कि पुडुचेरी विधानसभा के विधायक श्री के.जी. शंकर के निधन से अत्यंत दुःख हुआ। राष्ट्र और पार्टी के प्रति उनकी निःस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

उपराज्यपाल श्रीमती किरण बेदी, मुख्यमंत्री सर्वश्री वी. नारायण सामी, विधानसभा अध्यक्ष वी.पी. शिवकोलुंदु,

पुडुचेरी भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वी. सामीनाथन तथा विधानसभा सचिव आर. मनुसामी समेत कई लोगों ने श्री शंकर को श्रद्धांजलि दी। ■

जब तक हर घर में भाजपा का कार्यकर्ता न हो, तब तक हमें अपनी विचारधारा का ध्वज लेकर चलते रहना है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में 21 जनवरी 2021 को अपने प्रथम वर्ष का सेवा काल पूर्ण किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आज भाजपा अपने उत्कर्ष पर है, पर हमें यहां रुकना नहीं है। जब तक हर पंचायत में, हर वार्ड में भाजपा का प्रतिनिधि न हो, जब तक हर घर में भाजपा का कार्यकर्ता न हो, तब तक हमें अपनी विचारधारा का ध्वज लेकर चलते रहना है। हम इस पत्र का पूरा पाठ यहां प्रकाशित कर रहे हैं-

भारतीय जनता पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ता बंधुओ एवं भगिनियो,

सादर अभिवादन।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपने प्रथम वर्ष के सेवा काल के पूर्ण होने पर मैं आप सब का हृदय से आभार प्रकट करना चाहता हूं। आप सब ने यशस्वी और कर्मयोगी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनी त्याग, तपस्या और परिश्रम के बल पर कोविड संक्रमण के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी पार्टी को गतिमान बनाए रखा। एक राजनैतिक दल के रूप में चुनावों में विजय प्राप्त करना, आम जन के प्रति समर्पित सरकारें देना तो हमारा संकल्प है ही, लेकिन एक राजनैतिक दल किस तरह सेवा का सेतु बन सकता है, इसका अप्रतिम एवं अनुकरणीय उदाहरण भी आपने प्रतिस्थापित किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 130 करोड़ देशवासियों को कोविड के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए न केवल तैयार किया बल्कि गरीब कल्याण योजना, आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियान के माध्यम से गरीब से गरीब व्यक्ति की चिंता करते हुए देश की अर्थव्यवस्था को भी गतिमान किया।

गत वर्ष कई मायनों में एक ऐसा कालखंड रहा है जिसका पूर्व में उदाहरण नहीं मिलता। ऐसे समय में आप सब ने जिस तरह एकजुट होकर मानवता की सेवा की और पार्टी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिस सहजता, सुगमता और परिश्रम से एकजुट होकर कार्य किया, वह अद्वितीय था। इसके लिए मैं आप सबका हृदय से आभार प्रकट करता हूं ।

बंधुओ एवं भगिनियो,

विगत वर्ष का अधिकांश समय वैश्विक संकट 'कोविड-19' के संक्रमण के साए में बीता है। यह वर्ष मानव जाति के लिए दुःख, पीड़ा और परेशानियों से भरा रहा लेकिन आप सब ने हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा ही संगठन' के आह्वान पर पूरी पार्टी को मानवता की सेवा में लगाते हुए यह चरितार्थ कर दिखाया कि चाहे कितनी ही विषम परिस्थितियां क्यों न हों, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सदैव जनता के साथ खड़े रहते हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के 130 करोड़ नागरिकों ने एकजुट होते हुए कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उसे परास्त करने की दिशा में कदम उठाये। यह प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी नीतियों का ही परिणाम रहा कि देश में कोविड संक्रमण की रफ़्तार पर लगाम रहा, मृत्यु दर सबसे कम रही और रिकवरी रेट लगातार बढ़ता ही गया। उनके आह्वान पर देश के वैज्ञानिकों ने एक नहीं, बल्कि दो-दो 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन को लांच किया जो दुनिया के गिने-चुने चार-पांच देश ही कर पाए हैं। जहां कोविड के सामने दुनिया के बड़े से बड़े शक्तिशाली देश भी अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं, वहीं भारत ने दुनिया को रास्ता दिखाया है कि कैसे कोरोना जैसी महामारी का मुकाबला कर उसे परास्त किया जा सकता है। कोविड काल में देश और दुनिया को नई दिशा दिखाने वाले हमारे कर्मयोगी प्रधानमंत्री जी का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं ।

मुझे गौरव की अनुभूति होती है जब दुनिया कहती है कि भारतीय जनता पार्टी ने विश्व का सबसे बड़ा सेवा कार्यक्रम चलाया। ये आप सबके परिश्रम और समर्पण के कारण ही संभव हुआ। आप सबने अपनी जान की परवाह किये बगैर #FeedTheNeedy अभियान के तहत देश के लगभग 30 करोड़ लोगों तक फूड पैकेट्स व राशन

किट्स पहुंचाए, लाखों बुजुर्गों एवं करोड़ों जरूरतमंदों, प्रवासी मजदूरों तक आवश्यकता की हर वस्तु उपलब्ध कराई। करोड़ों की संख्या में फेस कवर एवं सेनिटाइजर का वितरण किया और सुदूर दुर्गम क्षेत्रों में भी त्वरित सहायता पहुंचाई। मैं आप सबके त्याग, समर्पण और सद्भावना को नमन करता हूं ।

बंधुओ एवं भगिनियो,

जब हमारे पास आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसी नेतृत्व क्षमता है, तो चुनावी रणनीति में भाजपा के संगठन और कार्यकर्ता शक्ति की कोई तुलना हो ही नहीं सकती है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को हर चुनाव-उप चुनाव में सफलता मिली। हर चुनावी जीत में हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत अमूल्य थी। आपने परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए बिहार विधान सभा चुनाव और 11 प्रदेश के उप-चुनाव से लेकर 10 स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को अभूतपूर्व विजयश्री दिलाई। बिहार में केवल 110 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 67 प्रतिशत की स्ट्राइक रेट के साथ भाजपा ने 74 सीटों पर जीत दर्ज की और एनडीए की पुनः सरकार बनी। वहीं उप-चुनावों में मध्य प्रदेश में 28 में से 19, गुजरात की आठ की आठ, उत्तर प्रदेश में 7 में से 6, मणिपुर में पांच में से चार, कर्नाटक में दो की दो और तेलंगाना की एकमात्र दुब्बका सीट पर हुए उप-चुनाव में भी भाजपा ने जीत का परचम लहराया। लद्दाख हिल डेवलपमेंट काउंसिल के चुनाव में 26 में से 15 सीटों पर पार्टी ने जीत दर्ज की। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (GHMC) और बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के चुनाव में भी पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की। राजस्थान, गोवा, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र और अरुणाचल में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भी भाजपा ने अभूतपूर्व विजय प्राप्त की। इन चुनावों में देश के गांव, गरीब, किसान का भरपूर आशीर्वाद भारतीय जनता पार्टी को मिला। जम्मू-कश्मीर में पहली बार हुए डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट काउंसिल (DDC) के चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। मैं आपके अथक परिश्रम का अभिनंदन करता हूं।

बंधुओ एवं भगिनियो,

आप सब ने एक ओर जी-जान से मानवता की सेवा की तो वहीं दूसरी ओर आपने नागरिकता संशोधन क़ानून से लेकर कृषि सुधार कानून और चीन के साथ सीमा विवाद पर कांग्रेस एवं उसकी सहयोगी पार्टियों के दुष्प्रचार को भी जनता के सामने उजागर किया। आपने महान मनीषी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के देश के विकास एवं गरीब-कल्याण सपनों और सिद्धांतों को तथा 'ए पार्टी ऑफ़ ऑल इंडियन' और 'ए पार्टी विद ऑल इंडिया' के विजन को साकार करने की उपलब्धि हासिल की। आपने प्रधानमंत्री जी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' को लेकर देश भर में जागरुकता अभियान शुरू किया और आम जनता से जन-संवाद कर केंद्र सरकार की हर योजना को जमीन पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बंधुओ एवं भगिनियो,

मैं पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और केरल के पार्टी कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहूंगा क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए अपने त्याग एवं समर्पण से पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का महती कार्य किया है। लगातार सुरक्षा घेरे में रहने वाले मुझ जैसे देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर भी जब पश्चिम बंगाल में दिन के उजाले में जानलेवा हमला हो सकता है तो ऐसी परिस्थिति में पार्टी के आम कार्यकर्ता किस मुश्किल में कार्य करते होंगे, यह आसानी से समझा जा सकता है। विगत कुछ वर्षों में पार्टी के 300 से अधिक कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की पश्चिम बंगाल में निर्मम हत्या हुई है। मैं उन सभी वीर कार्यकर्ताओं को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए यह प्रण लेता हूं कि उनकी शहादत कभी व्यर्थ नहीं जाने दी जायेगी। पश्चिम बंगाल की तानाशाह तृणमूल सरकार को लगता है कि हमारे निरपराध कार्यकर्ताओं की हत्या कर भारतीय जनता पार्टी के आचार, विचार, संस्कार और विस्तार को दबाया जा सकता है तो यह उसकी भूल है। मुझे विश्वास है कि इस बार के विधान सभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता लोकतांत्रिक तरीके से राज्य की निर्दयी सरकार को करारा जवाब देगी और पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा।

• हमारे पास आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसी नेतृत्व क्षमता है, तो चुनावी रणनीति में भाजपा के संगठन और कार्यकर्ता शक्ति की कोई तुलना हो ही नहीं सकती है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को हर चुनाव-उप चुनाव में सफलता मिली। हर चुनावी जीत में हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत अमूल्य थी

जम्मू-कश्मीर में भी अलगाववाद एवं आतंकवाद का डटकर मुकाबला करते हुए और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करते हुए हमारे कई कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी है। मैं उन सभी कार्यकर्ताओं को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जिला विकास परिषद् (डीडीसी) के चुनावों में भाजपा जम्मू-कश्मीर में जिस तरह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, यह पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम एवं जम्मू-कश्मीर की जनता के भाजपा के प्रति प्यार एवं स्नेह को दर्शाता है। इसी तरह, केरल में भी राज्य सरकार के संरक्षण में वामपंथी हिंसा का सामना करते हुए हमारे कई कार्यकर्ताओं ने विचारधारा की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं उन सबको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भाजपा हिंसा की राजनीति में विश्वास नहीं करती और लोकतंत्र में हिंसा का स्थान कतई नहीं होना चाहिए। हम लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देते रहेंगे और एक दिन ऐसा आयेगा जब यहां भी कमल खिलेगा और हिंसा की राजनीति

शेष पृष्ठ 27 पर

बगलकोट (कर्नाटक)

प्रधानमंत्री मोदीजी ने देश को 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र देते हुए आगे बढ़ने की राह दिखाई है: अमित शाह

जनता को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार किसानों के कल्याण के लिए काम करने हेतु प्रतिबद्ध है

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 17 जनवरी, 2020 को कर्नाटक के बगलकोट में आयोजित कार्यक्रम में कई किसान हितैषी परियोजनाओं का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया।

कर्नाटक सरकार में मंत्री श्री मुरुगेश आर निरानी की अध्यक्षता वाले समूह एमआरएन की किसान-हितैषी परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद किसानों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बगलकोट जिले के करकलमट्टी गांव में केदारनाथ शुगर एंड एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड की इथेनॉल परियोजना का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने एलई अस्पताल के एडवांस्ड स्टिमुलेशन सेंटर का भी उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने बेलगावी के जेएनएमसी ग्राउंड में आयोजित विशाल रैली को संबोधित किया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कर्नाटक की सह-प्रभारी डॉ. डीके अरुणा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं कर्नाटक के प्रभारी श्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री श्री सीटी रवि, केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री जी बी. एस. येदियुरप्पा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नलिन कुमार कटील, उप-मुख्यमंत्री श्री गोविंद करजोल, उप-मुख्यमंत्री श्री लक्ष्मण सावदी, कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री श्री जगदीश शेट्टार एवं कर्नाटक सरकार के कई मंत्री और पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित थे। साथ ही, पंचायत चुनावों में पार्टी के जीते हुए सभी प्रतिनिधि भी उपस्थित थे जिनके अभिनंदन समारोह हेतु इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था। अपनी यात्रा के पहले दिन उन्होंने कर्नाटक के शिवमोगा में भद्रावती रैपिड एक्शन फोर्स सेंटर की आधारशिला रखी थी।

श्री शाह ने कहा कि हाल ही में कर्नाटक में संपन्न स्थानीय निकाय के चुनाव में 5670 ग्राम पंचायतों में से भारतीय जनता पार्टी को 3142 सीटों पर विजयश्री मिली है जबकि 86,183 पंचायत सदस्यों में से 43,000 से ज्यादा भाजपा के उम्मीदवार विजयी हुए हैं। मैं चुनाव में विजयी सभी भाजपा प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में सर्वप्रथम पूर्व केंद्रीय रेल राज्य मंत्री स्वर्गीय श्री सुरेश अंगड़ी और पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री

राजू चिकनगोडर (जिला महामंत्री, बेलगांव), रवि हीरेमठ (जिला सह-संगठन मंत्री) को श्रद्धांजलि दी।

जनता को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार किसानों के कल्याण के लिए काम करने हेतु प्रतिबद्ध है। कृषि सुधार कानूनों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तीनों कृषि कानून किसानों की आय को कई गुना बढ़ाने में मदद करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि अगर केंद्र सरकार की कोई बड़ी प्राथमिकता है तो वह किसानों की आय को दोगुना करना है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री जी किसानों की आय को दोगुना करने की बात करते थे तो कांग्रेस के नेता हंसते थे, तंज कसा करते थे लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी ने विगत छः वर्षों में ही किसानों के हित में कई कदम उठा कर यह चरितार्थ कर दिया कि मोदी सरकार किसानों के लिए समर्पित सरकार है।

• जब कांग्रेस की यूपीए सरकार सत्ता में थी तो कृषि बजट केवल 21,933 करोड़ रुपये का था लेकिन मोदी सरकार में 2020-21 में कृषि बजट बढ़कर 1,34,399 करोड़ रुपये का हो गया है

श्री शाह ने कहा कि जब कांग्रेस की यूपीए सरकार सत्ता में थी तो कृषि बजट केवल 21,933 करोड़ रुपये का था लेकिन मोदी सरकार में 2020-21 में कृषि बजट बढ़कर 1,34,399 करोड़ रुपये का हो गया है। इतना ही नहीं चाहे मक्का हो, चावल हो, गेहूं हो या दलहन व तिलहन, लगभग सभी फसलों की एमएसपी को मोदी सरकार ने लागत का डेढ़ गुना या उससे भी अधिक किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के रूप में देश के हर किसान के बैंक एकाउंट में सालाना 6,000 रुपये की कृषि सहायता सीधे हस्तांतरित की जा रही है। दिसंबर, 2020 तक देश के 9 करोड़ से अधिक किसानों के एकाउंट में प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि के तौर पर 1,13,619 करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने करोड़ों मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को वितरित किये हैं और लगभग 50 लाख हेक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के अंतर्गत लाया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा के पांच वर्ष पूरे हो रहे हैं और इन पांच वर्षों में प्रधानमंत्री फसल बीमा के तौर पर किसानों को लगभग 90 हजार करोड़ रुपये का क्लेम दिया जा चुका है। लगभग से अधिक मंडियों को ऑनलाइन कर किसानों के लिए मुक्त मार्केट की व्यवस्था की गई है ताकि उन्हें उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिले। कांग्रेस की यूपीए सरकार के दौरान किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए केवल 6 लाख करोड़ रुपये की राशि निर्धारित थी जबकि मोदी सरकार ने इसे बढ़ाकर 13.92 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। यही बताता है कि मोदी सरकार किसानों की भलाई के लिए किस तरह प्रयत्नशील है। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 10 हजार से ज्यादा FPOs का गठन किया है जिसके लिए लगभग 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की गई है। केवल छः महीने में डेढ़ करोड़ से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गए और शहद उत्पादन के लिए 500 करोड़ रुपये निर्धारित किये गए हैं।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने इथेनॉल के उपयोग को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये हैं। इथेनॉल के अधिक उपयोग से किसानों की आय बढ़ती है, पेट्रोल का विकल्प होने के कारण विदेशी मुद्रा भंडार भी बचता है। मोदी सरकार ने 2015 में इथेनॉल से केंद्रीय उत्पाद शुल्क हटाया गया। पहले इथेनॉल पर 18 प्रतिशत जीएसटी लागू था। 2018 में मोदी सरकार ने इस पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। साथ ही, सीधे गन्ने से, गुड़ से और सड़े खाद्यान्न से भी इथेनॉल बनाने की परमिशन दी गई। 2013-14 तक पेट्रोल-डीजल में इथेनॉल की ब्लेंडिंग केवल 1.58

प्रतिशत ही होती थी जिसमें केंद्र की भाजपा सरकार के उठाये गए क़दमों से काफी वृद्धि हुई है। 2022 तक इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक किया जाएगा। साथ ही, 2025 तक इसे बढ़ाकर 25 प्रतिशत किये जाने का लक्ष्य है। इथेनॉल के प्रयोग को बढ़ावा देने से किसानों को बेहतर मूल्य मिलेंगे और समय पर भुगतान भी होगा। साथ ही, हम कच्चे तेल के आयत में कटौती भी कम कर सकेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार भी बढ़ेगा और प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक की बीएस येदियुरप्पा सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं को सफल तरीके से राज्य में जमीन पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने किसानों के लिए इतने सारे कार्य किये हैं लेकिन वक्रद्रष्टा कांग्रेस किसानों के नाम पर राजनीति करने से बाज नहीं आती। उन्होंने कहा कि मैं उन कांग्रेस नेताओं से सवाल पूछना चाहता हूं जो किसानों के पक्ष में बात करने के नाम पर उन्हें उकसा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किसानों को 6 हजार रुपए प्रतिवर्ष क्यों नहीं दिए? जब आप सत्ता में थे तब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना या संशोधित इथेनॉल नीति क्यों नहीं बनाई? जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उन्होंने कृषि बजट इतना कम क्यों रखा और सिंचाई योजना का विस्तार क्यों नहीं किया? इसका जवाब ये है कि कांग्रेस का इरादा लोक कल्याण को लेकर कभी भी नेक नहीं रहा, उनकी नीयत कभी भी सही नहीं रही।

• प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार सदैव ही किसानों के कल्याण के प्रति समर्पित रही है। इन कानूनों के माध्यम से अब किसान देश और दुनिया में कहीं भी कृषि उत्पाद बेच सकते हैं

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार सदैव ही किसानों के कल्याण के प्रति समर्पित रही है। इन कानूनों के माध्यम से अब किसान देश और दुनिया में कहीं भी कृषि उत्पाद बेच सकते हैं।

श्री शाह ने कहा कि चाहे विधान सभा चुनाव हो या लोक सभा चुनाव या फिर पंचायत चुनाव, कर्नाटक की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को सदैव ही अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया है। प्रधानमंत्री जी ने देश को आत्मनिर्भर भारत का मंत्र देते हुए आगे बढ़ने की राह दिखाई है। उन्होंने देश औद्योगिक विकास एवं कृषि विकास को गति देने के साथ-साथ देश की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया है। 70 साल से देश में पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह जी तक, किसी की भी जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35A को ख़त्म करने की हिम्मत नहीं हो रही थी। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35A को ख़त्म कर सही मायनों में जम्मू-कश्मीर को भारतवर्ष का अभिन्न अंग बनाया है। अभी हाल ही में जम्मू-कश्मीर में खून का एक भी कतरा बहाए बगैर डीडीसी के चुनाव संपन्न हुए जो यह बताता है कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं और वह देश के विकास की मुख्यधारा में शामिल होने को कितना आतुर है। उन्होंने कहा कि लगभग 550 वर्षों से भगवान् श्री राम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण की प्रतीक्षा की जा रही थी। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने श्री राम मंदिर के निर्माण का जितना भी विरोध हो सकता था, उतना किया लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान् श्रीराम की जन्मभूमि पर बनने वाले भव्य मंदिर का शिलान्यास कर मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक को ख़त्म कर मुस्लिम महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार दिया। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से मोदी सरकार ने आतंकवाद पर करारा प्रहार कर देश के दुश्मनों को करारा जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 60 करोड़ गरीब लोगों के जीवन के उत्थान के लिए कई कदम उठाये हैं। कांग्रेस की सरकार में देश की लगभग दो तिहाई आबादी के पास अपना बैंक अकाउंट नहीं था, आज हर नागरिक के घर में बैंक एकाउंट है। लगभग 13 करोड़ गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए, 50 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया गया। मोदी सरकार ने 2022 तक देश के हर गरीब को घर देने का लक्ष्य रखा है और इस दिशा में हम काफी आगे बढ़े हैं। हर घर में शौचालय, बिजली और नल से शुद्ध पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कहा कि 2014 से पहले देश के साढ़े छह लाख गांवों में से लगभग 100 गांवों ही ब्रॉडबैंड से जुड़े थे, आज मोदी सरकार में 1.31 लाख से अधिक गांव ब्रॉडबैंड से जुड़ चुके हैं। कॉमन सर्विस सेंटर की संख्या तीन लाख को पार कर गई है। 'गरीबी हटाओ' का नारा देने वाली कांग्रेस पार्टी के नेताओं से मैं पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस की चार-चार पीढ़ियों ने देश पर शासन किया लेकिन क्यों महिलाओं के लिए शौचालय नहीं बने, क्यों बैंकों के दरवाजे गरीबों के लिए नहीं खुले, क्यों गरीबों को आयुष्मान भारत जैसी योजना नहीं मिली, क्यों गरीबों को सामाजिक सुरक्षा कवच नहीं मिला, क्यों हजारों गांव बिजली से वंचित थे? वास्तव में कांग्रेस पार्टी गरीबी नहीं, गरीबों को हटाना चाहती थी।

श्री शाह ने कहा कि कोरोना संक्रमण से भारत में मृत्यु दर काफी कम है जबकि रिकवरी रेट काफी अधिक है। भारत में सबसे अधिक मरीज ठीक हुए हैं। अभी कल ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया है लेकिन कांग्रेस इस पर भी सवाल उठा रही है। कांग्रेस कुछ नहीं कर सकती, ये हम सब जानते हैं। वह केवल विरोध कर सकती

है लेकिन यदि मोदी सरकार कर रही है, तो आप इसे रोक क्यों रहे हैं? मैं देश की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारे देश में बने दोनों ही वैक्सीन पूर्णतया सुरक्षित हैं और प्रधानमंत्री जी ने स्वयं अपनी निगरानी में टीकाकरण अभियान शुरू किया है। कृपया अपना नंबर आने पर आप सब कोरोना वैक्सीन लगवाएं। देखते ही देखते भारत कोरोना संक्रमण से मुक्त हो जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान कर्नाटक में गरीब कल्याण योजना के तहत 16 लाख मीट्रिक टन चावल, 38 हजार मीट्रिक टन तूर दाल और 63,000 मीट्रिक टन चना उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त 2 लाख मीट्रिक टन रागी, 10 हजार मीट्रिक टन ज्वार और अतिरिक्त 40 हजार मीट्रिक टन चावल और भेजे गए। कर्नाटक की भाजपा सरकार ने लगभग 2.16 लाख ऑटो रिक्शा टैक्सी चालकों को लॉकडाउन के दौरान 5,000 रुपये का मुआवजा दिया तथा फूलों, सब्जियों और फल उत्पादकों को भी 25 हजार और 15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी गई।

कर्नाटक में विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए श्री शाह ने कहा कि राज्य में लगभग डेढ़ सौ आईटीआई का अपग्रेडेशन हो रहा है तथा कोप्पल में पहला खिलौना क्लस्टर बन रहा है। पहले हम खिलौने के आयात के लिए चीन पर निर्भर रहा करते थे लेकिन अब कोप्पल में बने खिलौने देश भर में मिलेंगे। राज्य के अस्पतालों को अपग्रेड किया जा रहा है, स्मार्ट सिटी योजना चलाई जा रही है और दो हवाई अड्डों की भी शुरुआत हुई है। कर्नाटक के 9 चिह्नित जिलों को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा रहा है। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में राज्य ने 14,924 मेगावाट क्षमता प्राप्त कर ली है।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए पूछा कि आप कर्नाटक की जनता को जवाब दें कि जब केंद्र में 10 वर्षों तक आपकी सोनिया-मनमोहन सरकार थी, तब आपने प्रदेश के विकास के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि 13वें वित्त आयोग में कांग्रेस की यूपीए सरकार ने कर्नाटक को केवल 88,583 करोड़ रुपये दिए, जबकि 14वें वित्त आयोग में मोदी सरकार ने प्रदेश को 2,19,506 करोड़ रुपये दिए। उन्होंने कहा कि कोरे वादे करने वाली और भ्रष्टाचार में संलिप्त कांग्रेस कर्नाटक का विकास कभी भी नहीं कर सकती। पंचायत चुनाव में कर्नाटक की जनता ने भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर यह सिद्ध कर दिया है कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में जारी विकास यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने राज्य की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले समय में राज्य में ताल्लुका और जिला पंचायत चुनाव भी आने वाले हैं। मैं प्रदेश की जनता से अपील करता हूं कि वे इन चुनावों में 75 प्रतिशत से अधिक सीटें देकर भाजपा को विजयी बनाएं।

श्री शाह ने कर्नाटक की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि जिस तरह से आपका आशीर्वाद और स्नेह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर बना रहा है, उसी तरह बना रहे। हम सब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में आगे बढ़ें और देश के विकास में अपना योगदान दें, यही कामना है। ■

पृष्ठ 23 का शेष भाग

का अंत होगा।

बंधुओ एवं भगिनियो,

इस वर्ष पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम और केरल में विधान सभा चुनाव होने वाले हैं। आपने जिस परिश्रम और समर्पण से पार्टी की विजय यात्रा को जारी रखा है, उसी जोश एवं उत्साह के साथ इन प्रदेशों में भी पार्टी की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करेंगे और देश भर में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में जारी विकास यात्रा को जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।

बंधुओ एवं भगिनियो,

भारतीय जनता पार्टी परिवार के करोड़ों बंधु और भगिनियों का विनम्रता से आभार प्रकट करना चाहूंगा कि आप सब के सहयोग से हमने अपनी पार्टी के उन पूज्य मनीषियों के विचार को आगे बढ़ाने में प्राण-प्रण से यत्न किया और हम सब ने दल की विचारधारा, नीति और सिद्धांतों को एकजुट होकर गति दी। मेरा सौभाग्य है कि आप सबके साथ एक गिलहरी जैसा योगदान कर मैंने अपनी महान पार्टी की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त किया है। हम आप सभी इस विचार यात्रा और विकास यात्रा के सहगामी हैं।

आज भाजपा अपने उत्कर्ष पर है, पर हमे यहां रुकना नहीं है। जब तक हर पंचायत में, हर वार्ड में भाजपा का प्रतिनिधि न हो, जब तक हर घर में भाजपा का कार्यकर्ता न हो, तब तक हमें अपनी विचारधारा का ध्वज लेकर चलते रहना है।

मुझे विश्वास है, कि भारतीय जनता पार्टी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पंडित दीनदयाल जी, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी एवं हमारे सभी मनस्विियों-तपस्वियों के हर स्वप्न को पूर्ण करेगी और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की हर जनोपयोगी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहेगी।

सादर धन्यवाद! ■

चीन पर झूठ बोलना कब बंद करेगी कांग्रेसः जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 19 जनवरी, 2021 को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं देश में नकारात्मक राजनीति के परिचायक पार्ट टाइम नेता राहुल गांधी पर करारा प्रहार करते हुए सात सवाल पूछे। श्री राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करते हुए उन्होंने लगातार कई ट्वीट किए और पूछा कि कांग्रेस आखिर झूठ बोलना कब बंद करेगी? उन्होंने कहा कि अब जबकि राहुल गांधी अपनी एक महीने की छुट्टी से वापस आ गए हैं, तो मैं उनसे कुछ सवाल पूछना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि वो अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका जवाब देने की हिम्मत जुटाएंगे। यदि वे ऐसा नहीं नहीं करते हैं तो मैं हमारे मीडिया मित्रों से आग्रह करता हूं कि वे इन प्रश्नों को पूछें।

श्री राहुल गांधी द्वारा अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाके में चीन के गांव बसाने के दावे वाली खबरों को लेकर उठाये गए भ्रामक प्रश्न पर बड़ा हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी, उनका वंश और कांग्रेस पार्टी के नेता चीन पर झूठ बोलना कब बंद करेंगे? क्या वे इस बात से इनकार कर सकते हैं कि हजारों किलोमीटर भूमि, यहां तक कि अरुणाचल प्रदेश की जिस भूमि का वो जिक्र कर रहे हैं, वह किसी और ने नहीं, बल्कि खुद पंडित नेहरू ने चीन को तोहफे में दी थी? कांग्रेस बार-बार चीन के सामने आत्मसमर्पण क्यों कर देती है? क्या राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी के चीन और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी से हुए एमओयू को खारिज करने का इरादा रखते हैं? क्या वे उनके परिवार के नियंत्रण वाले ट्रस्ट्स को चीन से मिले दान को लौटाने का इरादा रखते हैं? या फिर, उनकी नीतियां और हरकतें चीनी पैसे और एमओयू से चलती रहेंगी?

• राहुल गांधी, उनका वंश और कांग्रेस पार्टी के नेता चीन पर झूठ बोलना कब बंद करेंगे? क्या वे इस बात से इनकार कर सकते हैं कि हजारों किलोमीटर भूमि, यहां तक कि अरुणाचल प्रदेश की जिस भूमि का वो जिक्र कर रहे हैं, वह किसी और ने नहीं, बल्कि खुद पंडित नेहरू ने चीन को तोहफे में दी थी?

उन्होंने केवल चीन के प्रश्न पर ही श्री राहुल गांधी को नहीं घेरा, अपितु उन्होंने नामधारी युवराज को कई मुद्दों पर कठघरे में खड़ा किया और कई दनदनाते सवाल दागे। उन्होंने एक के बाद एक, कई सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कोविड-19 को लेकर भी देश को हतोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। राहुल गांधी कोरोना के खिलाफ जारी देश की लड़ाई का मनोबल हर हमेशा गिराने की कोशिश में रहते हैं। आज जब भारत सबसे कम सक्रिय मामलों वाले देशों में है और हमारे वैज्ञानिकों ने एक नहीं, दो-दो वैक्सीन बना ली है तो उन्होंने वैज्ञानिकों को अब तक बधाई क्यों नहीं दी और क्यों एक बार भी 130 करोड़ भारतीयों की सराहना नहीं की?

कुछ किसान संगठनों द्वारा कृषि सुधार कानूनों पर किये जा रहे प्रदर्शनों पर कांग्रेस के दोहरे रवैय्ये पर सवाल खड़ा करते हुए पार्टी के श्री नड्डा ने श्री गांधी पर पलटवार करते हुए पूछा कि आखिर कांग्रेस कब भारत के किसानों को भड़काना और गुमराह करना बंद करेगी? कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सालों तक स्वामीनाथन कमिटी की रिपोर्ट क्यों लटकाए रखा और एमएसपी क्यों नहीं बढ़ाई?

राहुल गांधी पर हमला जारी रखते हुए श्री नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी झूठ फैलाते रहे हैं कि एपीएमसी मंडियां बंद हो जाएंगी लेकिन राहुल गांधी बताएं एपीएमसी एक्ट के खिलाफ कार्रवाई कांग्रेस घोषणापत्र का हिस्सा थी या नहीं? क्या उससे मंडिया बंद नहीं होतीं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के दौरान दशकों तक किसान गरीब क्यों बने रहे? क्या वे किसानों के प्रति सहानुभूति केवल विरोध करके ही महसूस करते हैं?

जल्लीकट्टू में श्री राहुल गांधी के शामिल होने पर कड़ा सवाल पूछते हुए श्री नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी ने तमिलनाडु में जलीकट्टू का आनंद लिया, लेकिन उनकी पार्टी लगातार तमिल संस्कृति को दबाती आई है। जब उनकी पार्टी जब सत्ता में थी तब उन्होंने क्यों जलीकट्टू को बैन किया था? क्या वह भारत की महान संस्कृति और उसकी परंपराओं पर गर्व नहीं करते? ■

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत राज्य के 6 लाख परिवारों को मिली 2600 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.25 करोड़ इकाइयों का निर्माण किया गया है।
इन आवास इकाइयों के निर्माण में केंद्र सरकार का योगदान लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जनवरी, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 6 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के अंतर्गत 2600 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी की। उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत भी की। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों, वंचितों और शोषितों के जीवन में बदलाव लाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पांच साल पहले आगरा से प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत करने के पल को याद किया। इस योजना ने भारतीय गांवों का चेहरा बदलना शुरू कर दिया है। यह योजना लाखों लोगों की आशाओं से जुड़ी हुई है और गरीबों को यह विश्वास दिलाया है कि वह भी मकान मालिक हो सकते हैं।

श्री मोदी ने खुशी व्यक्त की कि उत्तर प्रदेश उन राज्यों में से है जो गरीबों के लिए घर बनाने के काम में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज राज्य के 6 लाख परिवारों को उनके बैंक खाते में कुल 2600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंच जायेगी। श्री मोदी ने कहा कि इन 6 लाख परिवारों में से 5 लाख को पहली किस्त मिलेगी, जिसका अर्थ है कि 5 लाख परिवारों के लिए उनके जीवन का इंतजार समाप्त हो गया है। इसी तरह, 80 हजार परिवारों को उनकी दूसरी किस्त मिली, जिसका मतलब है कि अगली सर्दियों तक उनका अपना घर होगा।

उन्होंने याद किया कि पिछली सरकारों के समय में गरीबों को यह भरोसा नहीं था कि सरकार उनके घर का निर्माण करवाने में मदद कर सकती है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि पहले की योजना में बने मकानों की गुणवत्ता भी उचित नहीं होती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों को गलत नीतियों का नुकसान उठाना पड़ा है। इस दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए आजादी के 75 साल पूरे होने से पहले हर गरीब परिवार को घर मुहैया कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई थी। ग्रामीण क्षेत्रों में हाल के वर्षों में 2 करोड़ आवास इकाइयों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.25 करोड़ इकाइयों का निर्माण किया गया है। इन आवास इकाइयों के निर्माण में केंद्र सरकार का योगदान लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का है। प्रधानमंत्री ने राज्य में पिछली सरकारों द्वारा किये गये कार्यों में रह गई कमी को भी याद किया।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 22 लाख ग्रामीण आवासों का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 21.5 लाख मकानों के निर्माण के लिए स्वीकृत दी जा चुकी है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान 14.5 लाख परिवारों को अपना घर मिल चुका है।

श्री मोदी ने कहा कि अतीत के बुरे अनुभवों पर गौर करते हुए कुछ बातों को ध्यान में रखा गया है जैसे कि उन गरीब परिवारों को जिनके पास घर बनाने की सम्भावना समाप्त हो गई है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दूसरा, आवंटन में पारदर्शिता, तीसरा, मकान का स्वामित्व महिलाओं को प्राथमिकता के रूप में मिलना चाहिये, चौथा, प्रौद्योगिकी के माध्यम से निगरानी करना और अंत में मकान सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित होना चाहिए। आवास इकाइयां उन गरीब परिवारों को लाभान्वित कर रही हैं, जो कच्चे मकानों में रह रहे थे। स्थानीय श्रमिक, छोटे किसान और भूमिहीन मजदूरों के पास घर बनाने की कोई उम्मीद नहीं थी।

• आजादी के 75 साल पूरे होने से पहले हर गरीब परिवार को घर मुहैया कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की गई थी। ग्रामीण क्षेत्रों में हाल के वर्षों में 2 करोड़ आवास इकाइयों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.25 करोड़ इकाइयों का निर्माण किया गया है। इन आवास इकाइयों के निर्माण में केंद्र सरकार का योगदान लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का है

श्री मोदी ने योजना में महिला सशक्तिकरण के पहलू को रेखांकित किया, क्योंकि ये इकाइयां ज्यादातर परिवार की महिलाओं के नाम पर हैं। भूमिहीन परिवारों को जमीन के दस्तावेज़ मिल रहे हैं और किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रदान की जाने वाली धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनका प्रयास ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राप्त सुविधाओं के बीच की खाई को कम करना है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य ग्रामीण लोगों के लिए शहरी लोगों को प्राप्त सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उनके जीवन को आसान बनाना है। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी के प्रभावी नेतृत्व में भारत कोरोना पर विजय की ओर: डॉ. हर्षवर्धन

कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। ऐसी विषम परिस्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल देश को अपितु विश्व को भी एक नई दिशा दिखाने का काम किया है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने क्या-क्या उपाय किये, इस विषय पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से श्री रमाकांत पाण्डेय ने 'कमल संदेश' के लिए बातचीत की। प्रस्तुत है प्रमुख अंश:

• कोरोना वायरस एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की क्या तैयारियां हैं?

कोरोना ने समूचे देश को अपने शिकंजे में फंसाने की भरपूर कोशिश की। 22 जनवरी, 2021 की सुबह 9 बजे तक एक करोड़ छह लाख 25 हजार 428 कोरोना के मामले सामने आए हैं। कुल मिलाकर एक करोड़ दो लाख 83 हजार 708 रोगी स्वस्थ होकर अपने घरों में चले गए हैं। 22 जनवरी, 2021 की सुबह 9 बजे तक केवल एक लाख 88 हजार 688 सक्रिय मामले हैं।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व के कारण कोरोना की शुरुआत से लेकर अब तक भारत की स्थिति विश्व के सभी देशों की स्थिति से बेहतर रही है। भारत की रिकवरी दर विश्व में सबसे अधिक 96.78 प्रतिशत है और विश्व में न्यूनतम मृत्यु दर 1.44 प्रतिशत है। पिछले कई महीनों से लगातार मामलों की संख्या में कमी आ रही है।

इसके अलावा हमारे वैज्ञानिकों ने कड़ी मेहनत और समर्पण भावना से काम करते हुए तथा वैक्सीन की तत्काल आवश्यकता को समझते हुए कुछ महीनों में ही वैक्सीन विकसित कर दिखाया। 22 जनवरी, 2021 को सुबह 9 बजे तक 10 लाख 43 हजार 534 हेल्थ वर्कर को वैक्सीन दी गई। इन सब तथ्यों को देखकर कहा जा सकता है कि हमारा देश कोरोना के खिलाफ सबसे बड़ी जीत की दहलीज़ पर पहुंच गया है। निश्चित रूप से भारत की कोरोना पर शीघ्र शानदार जीत होगी।

• कोरोना वायरस ने दुनिया के लगभग सभी देशों में कहर बरपाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत को लेकर बेहद चिंतित था, लेकिन आज दुनिया भर में भारत के प्रयासों की सराहना हो रही है। इसका श्रेय किसे जाता है?

कोरोना वायरस से दुनिया के काफी देशों में तांडव की स्थिति उत्पन्न होने की बात काफी हद तक उचित कही जा सकती है, लेकिन 135 करोड़ जनसंख्या के बावजूद भारत ने अपनी प्रभावी कार्रवाई के कारण प्रारंभ से लेकर अब तक स्थिति को अनियंत्रित नहीं होने दिया।

चीन द्वारा एक घातक वायरस की अपने देश में फैलाव की जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन को दिए जाने के अगले दिन 8 जनवरी, 2020 को भारत ने उच्च स्तरीय संयुक्त दल की बैठक आयोजित कर कोरोना के खिलाफ समुचित कार्रवाई करने का संकल्प कर लिया था। इसके बाद हमने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। हमारी अधिकतम रिकवरी दर और न्यूनतम मृत्यु दर इस बात का प्रमाण है कि हमने कोरोना को समाप्त करने की दिशा में लगातार सही समय पर सही कदम उठाए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के कदमों के साथ कदम मिलाकर राज्यों ने कोरोना पर काबू पाने के उल्लेखनीय प्रयास किए। इसके अलावा कोरोना वॉरियर्स के योगदान के बल पर इस महामारी के दुष्प्रभाव को सीमित किया गया है। हमारे प्रयासों की अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अंतराष्ट्रीय संगठनों ने कोरोना पर काबू पाने को लेकर भारत का लोहा माना। इसका श्रेय निश्चित

रूप से हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रभावी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन को जाता है, जिन्होंने समयानुकूल निर्णय लिए और स्थिति पर पैनी नजर रखी। उनके नेतृत्व को देश के डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, समाज एवं अन्य सभी कोरोना वॉरियर्स का समर्थन मिला।

• अब वैक्सीन लगनी भी शुरू हो गई है, लेकिन कुछ राजनीतिक पार्टियां इस पर भी राजनीति कर रही हैं। क्या आपको नहीं लगता कि वैक्सीन को लेकर दिए जा रहे उनके अनाप-शनाप बयान से देश के वैज्ञानिकों का अपमान हो रहा है?

पूरा देश यह देख रहा है कि ऐसे तत्व आज वैक्सीन को लेकर इसकी प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ऐसे लोग अफवाहों और दुष्प्रचार का भी सहारा ले रहे हैं, मगर वैक्सीन लगाए जाने का सिलसिला जारी है। देश के सैकड़ों बड़े प्रतिष्ठित डॉक्टरों ने वैक्सीन ली है और उन्होंने बिना किसी साइड इफेक्ट के अपना काम तुरंत शुरू कर दिया।

हमारा उद्देश्य लोगों की जीवन रक्षा करना

है। उनके बयान हमें देश की जनता की जीवन रक्षा के मार्ग से विचलित नहीं कर सकते। हम अपने कर्तव्य और नैतिक धर्म के अनुसार वैक्सीन लगाने के अपने दायित्व का पालन कर रहे हैं।

• कोरोना के खिलाफ जंग में आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का दुनिया भर में डंका बज रहा है। विश्व के तमाम देश वैक्सीन के लिए भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं। क्या उन देशों को भी वैक्सीन की सप्लाई की जाएगी?

श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के पश्चात प्रधानमंत्री का पद ग्रहण किया। तभी से अब तक विश्व में उनके नेतृत्व की भरपूर सराहना की जा रही है। वे विश्व में सबसे अधिक प्रखर और कुशल नेता के रूप में उभर कर सामने आए हैं। देश में उनकी स्वीकार्यता के आंकड़े विपक्ष की आंखों की किरकिरी बन गए हैं। ये सच है कि विश्व के अनेक देश वैक्सीन के लिए भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। भारत ने पहले भी कोरोना काल की शुरुआत में विश्व के अनेक देशों को मुफ्त दवाएं और उपकरण उपलब्ध कराए थे।

भारत मानव कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास रखता है। हमारा देश विश्व में वैक्सीन का सबसे बड़ा विनिर्माता है और इसे विश्व की फार्मेसी कहा जाता है। भारत ने अभी 6 देशों–बंगलादेश, मालदीव, भूटान, नेपाल, म्यामांर और सेशल्स को वैक्सीन की आपूर्ति की है। जो भी देश भारत से वैक्सीन की आपूर्ति की अपेक्षा करेगा, उसे वैक्सीन उत्पादन और भंडारण की स्थिति को देखते हुए सहायता देने का प्रयास किया जाएगा।

• कोरोना काल में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना किस प्रकार से कमजोर वर्गों के लिए संजीवनी बनी?

प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत कमजोर वर्ग के परिवारों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये का कवर प्रदान किया जाता है। 21 जनवरी, 2021 के अनुसार 24 हजार 203 सूचीबद्ध अस्पतालों से निःशुल्क 1,393 किस्म के ऑपरेशन समेत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अब तक 13 करोड़ 42 लाख 59 हजार 452 ई-कार्ड जारी किए गए हैं। इस योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में अब तक एक करोड़ 54 लाख 69 हजार 315 दाखिले किए गए।

कैंसर, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों के लिए मुफ्त उपचार और ऑपरेशन से गरीब परिवारों को बहुत बड़ी राहत मिल रही है। इसे देखकर कहा जा सकता है कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना से बड़ी संख्या में गरीब परिवार लाभान्वित हुए।

प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत देश में एक लाख 50 हजार वेलनेस सेंटर (आरोग्य केन्द्र) बनाए जाने हैं। इनमें से 50 हजार से अधिक आरोग्य केन्द्र बन गए हैं और काम कर रहे हैं। यह भी सराहनीय है कि कोरोना काल में भी केन्द्र और राज्यों ने संयुक्त प्रयासों से नये आरोग्य केन्द्र स्थापित किए।

आरोग्य केन्द्रों का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को उनके घर के निकट पहुंचाना है। इन केन्द्रों के प्रयास से 25 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच मिली है। इन केन्द्रों में योग का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा इन आरोग्य केन्द्रों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ब्रेस्ट कैंसर, ओरल कैंसर, सर्विक्स कैंसर के लाखों रोगियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

• वैक्सीन का निर्माण किन कंपनियों द्वारा किया जा रहा है?

वर्तमान में भारत बायोटेक कंपनी आईसीएमआर के साथ मिलकर कोवैक्सीन बना रही है। इसके अलावा सीरम इंस्टीट्यूट, ऑक्सफोर्ड के वैक्सीन कोविशील्ड का विनिर्माण कर रहा है। इन दोनों वैक्सीन का 16 जनवरी, 2021 से भारत के वैक्सीन टीकाकरण कार्यक्रम में उपयोग किया जा रहा है।

इसके अलावा जाइड्स केडिला द्वारा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर ज़ाईको वी डी वैक्सीन बनाया जा रहा है। इसके तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के लिए डीसीजीआई (भारतीय दवा महानियंत्रक) ने अनुमति दे दी है।

रूस की वैक्सीन स्पुतनिक-V के दूसरे और तीसरे चरण का क्लीनिकल ट्रायल डॉक्टर रेड्डी लेबोरेट्रीज कर रही है। भारत में इस वैक्सीन के 300 मिलियन डोज़ बनाए जाएंगे।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया अमेरिकन कंपनी नोवा वैक्स के साथ मिलकर एनवीएक्स-कोव 2373 वैक्सीन विकसित कर रहा है। इसके तीसरे चरण के ट्रायल पर विचार किया जा रहा है।

बायोलॉजिकल ई-लिमिटेड वैक्सीन भी जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ फेस I/II का ट्रायल कर रहा है। इस वर्ष अप्रैल में अपने कोविड-19 वैक्सीन कैंडिडेट की लार्ज लेट स्टेज ट्रायल करने की योजना है।

पुणे स्थित जेनोवा बायोफॉर्मास्यूटिकल ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ एचजीसीओ19 mRNA वैक्सीन विकसित किया है। इस वैक्सीन का पहले चरण का क्लीनिकल ट्रायल 120 वॉलेंटियर के साथ इस महीने शुरू किए जाने का कार्यक्रम है।

भारत बायोटेक अपने दूसरे वैक्सीन को टॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी अमेरिका के साथ मिलकर विकसित कर रहा है। इसके अलावा अब उनको एक नोज़ल वैक्सीन जो सिंगल डोज़ है, उसका चरण-1 ट्रायल करने की डीसीजीआई ने अनुमति दे दी है।

अरविन्दो फार्मा वैक्सीन का अरविन्दो फार्मा लिमिटेड ने अपनी अमेरिकन सहायक कंपनी औरो वैक्सीन्स के साथ मिलकर विकसित करने का कार्यक्रम बनाया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 64 वैक्सीन कैंडिडेट क्लीनिकल डेवलपमेंट कर रहे हैं।

इसके अलावा 173 वैक्सीन कैंडिडेट प्री-क्लीनिकल डेवलपमेंट कर रहे हैं। ■

विश्व गौरव की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाला व्यक्तित्व था नेताजी का

शिव प्रकाश

राष्ट्र इस वर्ष महान देशभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मना रहा है। सुभाष बाबू का जीवन वृत्त समस्त राष्ट्र साधकों, राष्ट्रचिंतकों के लिए गौरव बोध कराने वाला है। उनका सतत संघर्षपूर्ण, साहसिक जीवन प्रेरणा देना वाला है। सुभाष चंद्र बोस की पूर्ण स्वराज की अवधारणा का आशय भारतीय संस्कारों से आप्लावित राज्य था। बंगाल का शेर कहे जाने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनके नारों 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' से युवा वर्ग में एक नये उत्साह का प्रवाह हुआ था। पूरे देश में नेताजी के इस नारे को सुनकर राष्ट्रभक्ति की अलख जगी।

सुभाष बाबू का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडिशा प्रांत के कटक में हुआ था। उनके पिता जानकी नाथ बोस एक प्रख्यात वकील थे जो कालांतर में बंगाल विधान सभा के सदस्य भी रहे। सुभाष बाबू एक सच्चे राष्ट्रभक्त, समाज सुधारक एवं आदर्श राजनेता थे। उनका आर्थिक-सामाजिक चिंतन हमारा सदैव मार्गदर्शन करता है। उनके इसी समर्पण के कारण लोग प्यार से उन्हें नेताजी कहकर पुकारते थे। उनके विचारों पर स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ टैगोर की अमिट छाप थी। अपनी अधूरी आत्मकथा में स्वामी विवेकानंद की अक्सर कहने वाली ऋग्वेद की उस ऋचा का वर्णन वह करते हैं। वह कहते हैं "आत्मनो मोक्षार्थम जगत हिताय" अर्थात पहले स्वतः को मोक्ष तथापि दूसरों के सुख के लिए संघर्ष, समर्पण करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि मेरा नारायण दरिद्र नारायण है। इसका चरितार्थ प्रसंग सुभाष बाबू के जीवन में देखने को मिलता है। उत्तरी बंगाल में भयावह बाढ़ आयी थी, जिसमें व्यापक तौर पर जनहानि हुई। उन दिनों सुभाष बाबू कलकत्ता के प्रेसिडेंसी कालेज में पढ़ाई कर रहे थे और अपने कुछ मित्रों के साथ वे बाढ़ पीड़ितों की सहायता में लगे थे। एक दिन वह जनसेवा कार्य में लगे थे तो उनके पिता ने कहा कि बेटा तुम कहां व्यस्त हो? सुभाष बाबू ने उत्तर दिया पिताजी मैं बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगा हूं। बाढ़ ने लोगों का घर-बार उजाड़ दिया है। उनकी यह हालत देखकर मेरा दिल रो उठता है। इस बार उनके पिता जानकीनाथ बोस ने कहा सुभाष मैं तुमसे सहमत हूं। लोगों की मदद जरूर करनी चाहिए, लेकिन ऐसा करने के लिए अपने कर्तव्यों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। अपने यहां दुर्गा पूजन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें मेरे साथ तुम्हारा होना भी बेहद आवश्यक है। पिता को जवाब देते हुए सुभाष बाबू ने कहा पिताजी मुझे माफ करिए। मेरा आपके साथ जाना संभव नहीं है। जब चारों ओर बाढ़ से हाहाकार मचा है, ऐसे मेरे दिमाग में केवल एक ही विचार आता है कि किस तरह लोगों की अधिक से अधिक मदद की जाए। मेरे लिए दीन-दुखियों में ही दुर्गा का वास है। मेरी पूजा के भागी यही लोग है। यह सुनकर उनके पिता भाव-विभोर हो गए। उनकी यही अनन्य देश प्रेम का भाव उन्हें अन्य महापुरुषों से अलग करता है।

- **नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनके नारों 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' से युवा वर्ग में एक नये उत्साह का प्रवाह हुआ**

आइसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रशासनिक सेवा में चयन होने के बाद भी उनको अंग्रेजों की नौकरी स्वीकार्य नहीं थी। देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित में सोच की भावना में उन्होंने अंग्रेजों की नौकरी छोड़ दी। प्रशासनिक सेवा से त्यागपत्र देने के बाद सुभाष गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर चितरंजन दास की पार्टी के साथ जुड़े तथा राजनीति की शुरुआत की। वे बाल गंगाधर तिलक के पूर्ण स्वराज्य के प्रचंड समर्थक थे।

स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन को विश्व पटल पर ले जाकर विश्वव्यापी बनाने का श्रेय सुभाष बाबू को ही जाता है। वह 1938 में विशेष आग्रह पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। गौर करने वाली बात यह है कि जब सुभाष बाबू कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने,

भारत सरकार ने 23 जनवरी को हर साल 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की

भारत सरकार ने 19 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय लिया, जो 23 जनवरी, 2021 से शुरू होगा। कार्यक्रमों को तय करने और स्मरणोत्सव के निरीक्षण और मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

राष्ट्र के प्रति नेताजी की अदम्य भावना और नि:स्वार्थ सेवा को सम्मान देने और स्मरण करने के लिए भारत सरकार ने उनके जन्मदिन 23 जनवरी को हर साल 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि देश के लोगों को, विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित किया जा सके, विपत्ति में धैर्य के साथ काम करने, जैसा नेताजी ने किया था, की प्रेरणा दी जा सके और देशभक्ति की भावना का संचार किया जा सके।

उस समय देश के अधिकांश प्रांतों में कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस के समक्ष उस समय एक विकासवादी गवर्नेंस मॉडल प्रस्तुत करने की चुनौती पैदा हुई। तत्कालीन सरकार में रक्षा और विदेश मामलों को छोड़कर बाकी सभी विभाग और मंत्रालय कांग्रेस सरकार के ही अधीनस्थ थे। इसे देखते हुए नेता जी ने बड़े निर्णय लिये और प्लानिंग कमेटी और साइंस काउंसिल का गठन किया। जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में बनी प्लानिंग कमेटी को सुभाष बाबू ने 'बॉटम टू टॉप' की अवधारणा पर विकास का मॉडल तैयार करने को कहा। लेकिन नेहरू ने तत्कालीन सोवियत संघ के मॉडल पर काम किया, जिस पर बाद में कांग्रेस की सरकारों ने अमल किया। लेकिन महात्मा गांधी समेत तमाम कांग्रेसी नेताओं के विचारों से मेल नहीं खाने के चलते सुभाष चंद्र बोस ने 1939 में कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया। बाद में उन्होंने फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।

सुभाष चंद्र बोस की शख्सियत की विशेषताओं और उनमें छिपी राष्ट्र हित की भावना को अगर किसी राजनेता ने समझा और उस पर अमल किया है तो वे हैं देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने जब नीति आयोग का गठन किया, तभी सुभाष बाबू की बनायी प्लानिंग कमेटी की आधारशिला को आकार मिल सका। मोदी सरकार की विकास की अवधारणा भी 'बॉटम टू टॉप' की सोच पर आधारित है। सुभाष चंद्र बोस की इस अवधारणा के आर्थिक चिंतन के मूल में स्वामी विवेकानंद, असम के विचारक शंकर देव, तमिलनाडु के तिरुवल्लुर और बाबा साहेब अंबेडकर का विशेष महत्व है।

अंग्रेजों से आजादी के संघर्ष के दौरान जब बोस जी ने देखा कि शक्तिशाली संगठन के बिना स्वाधीनता मिलना मुश्किल है तो वे जर्मनी से टोकियो गए और वहां पर उन्होंने आजाद हिन्द फ़ौज की स्थापना की। देश से अंग्रेजों को निकालने की उनकी धुन और पूर्ण स्वराज की अवधारणा उनके मन में बसी थी। इसीलिए उन्होंने कहा, "हमारी यह सेना हिंदुस्तान को अंग्रेजों की दासता से मुक्त करेगी।" लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी व्यापकता का जिक्र करते हुए कहा था कि आजाद हिंद सरकार ने हर क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं बनायी थीं। इसका अपना बैंक था, अपनी मुद्रा थी और अपना डाक टिकट था। नेताजी की सूझबूझ का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि आजाद हिंद सरकार का अपना गुप्तचर तंत्र भी था। अपने युग से आगे की सोच रखते हुए नेताजी ने महिला सशक्तिकरण को भी महत्व दिया। आजाद हिंद फौज में महिला रेजिमेंट का गठन भी किया, जिसकी कमान कैप्टन लक्ष्मी सहगल को सौंपी गई। सुभाष बाबू की दूरदर्शिता का उदाहरण आजाद हिंद फौज का अपना रेडियो और 'फॉरवर्ड' नाम की पत्रिका थी, जिसके जरिए सुभाष चंद्र बोस के लेखों और भाषणों का प्रसार किया जाता था।

• प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने जब नीति आयोग का गठन किया, तभी सुभाष बाबू की बनायी प्लानिंग कमेटी की आधारशिला को आकार मिल सका। मोदी सरकार की विकास की अवधारणा भी 'बॉटम टू टॉप' की सोच पर आधारित है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी और अंबेडकर सरीखे महापुरुषों के सपनों का भारत निर्मित करने के काम में लगी हुई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान सुभाष बाबू के आर्थिक चिंता का क्रियान्वयन है जो राष्ट्र को संपन्न बनाते हुए विश्व गौरव की ओर लेकर जाएगा। ■

लेखक भाजपा राष्ट्रीय सह-महामंत्री (संगठन) हैं.

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी श्री सोमनाथ ट्रस्ट के चुने गए अध्यक्ष

श्री सोमनाथ ट्रस्ट के सभी न्यासियों ने सर्वसम्मति से 18 जनवरी को श्री नरेन्द्र मोदी को ट्रस्ट का अगला अध्यक्ष चुना, ताकि वे आने वाले समय में मार्गदर्शन कर सकें। प्रधानमन्त्री ने जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए टीम सोमनाथ द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने यह उम्मीद जाहिर की कि यह ट्रस्ट बुनियादी ढांचा, आवास व्यवस्थाओं, मनोरंजन सुविधाओं को और बेहतर बनाने में समर्थ होगा और हमारी महान विरासत के साथ यात्रियों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने में भी मदद करेगा। इस बैठक के दौरान उपलब्ध सुविधाओं, चल रही गतिविधियों और परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई।

श्री मोदी ने श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से हुआ। न्यासियों ने इस ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष श्री केशुभाई पटेल को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस ट्रस्ट के कुछ महत्वपूर्ण विगत अध्यक्षों में आदरणीय जामसाहब दिग्विजय सिंह जी, श्री कन्हैयालाल मुंशी, भारत के पूर्वप्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई, श्री जयकृष्ण हरि वल्लभ, श्री दिनेश भाई शाह, श्री प्रसन्नवदन मेहता और श्री केशुभाई शामिल हैं। ■

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से करोड़ों किसानों को लाभ हुआ: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जनवरी को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पांच साल पूरा होने के अवसर पर लाभार्थी किसानों को बधाई दी और कहा कि इससे करोड़ों किसानों को लाभ हुआ है। श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि देश के अन्नदाताओं को प्रकृति के प्रकोप से सुरक्षा प्रदान करने वाली पीएम फसल बीमा योजना के आज 5 साल पूरे हो गए हैं। इस स्कीम के तहत नुकसान का कवरेज बढ़ने और जोखिम कम होने से करोड़ों किसानों को लाभ हुआ है। इसके सभी लाभार्थियों को मेरी बहुत-बहुत बधाई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 13 जनवरी, 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत की थी। इसके अंतर्गत किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान से पूरे फसल चक्र को बीमा-सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाती है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि इस योजना ने कैसे किसानों को अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित किया है और दावों के निस्तारण में कैसे पारदर्शिता बरती गई है जैसी संबंधित जानकारियां नमो एप्प के 'योर वॉइस' भाग में उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से इन जानकारियों को साझा करने का भी आग्रह किया। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

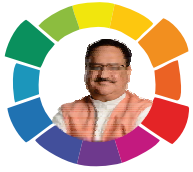

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

'प्रारंभ: स्टार्टअप इंडिया इंटरनेशनल समिट' के दौरान नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'इवोल्युशन ऑफ स्टार्टअप इंडिया' नामक पुस्तिका का लोकार्पण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दूसरे राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तेजपुर विश्वविद्यालय, असम के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात में अहमदाबाद मैट्रो रेल परियोजना के चरण–II और सूरत मैट्रो रेल परियोजना का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**

36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23

Licence to Post without Prepayment

Licence No. U(S)-41/2018-20

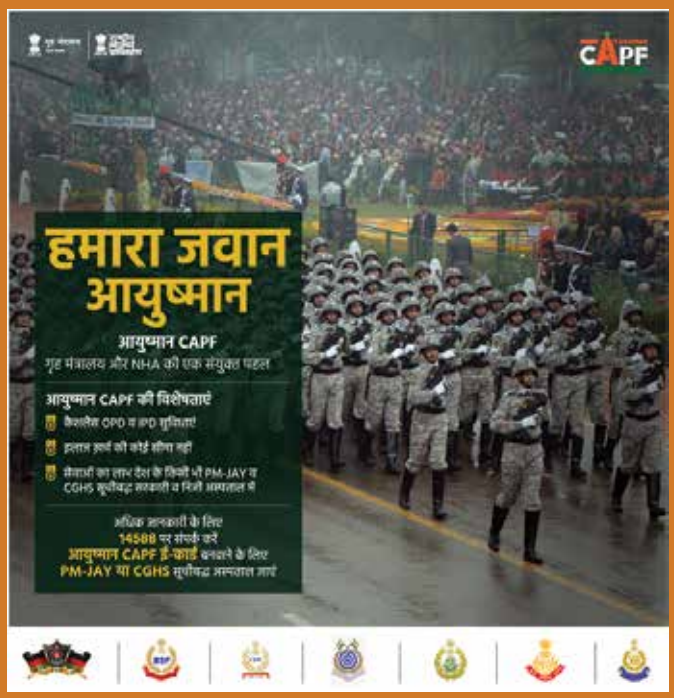

छायाकार: अजय कुमार सिंह